# दी नेक्स्ट पोस्ट

साप्ताहिक

UPHIN/2023/90814 | वर्ष: 03, अंक: 29 | पृष्ठ संख्या: 8 | मूल्य: 1.00 रू. | सोमवार 12 जनवरी,2026



7 | 3 सीएम योगी का निर्देश– | 5 बहन ने भाई को ही बना दिया कातिल | 8 6,4,6,4...आखिरी चार गेंदों पर पलटा मैच




**"बंगाल जीतना है तो चुनाव में लड़ो" ED की रेड पर भड़कीं ममता बनर्जी**

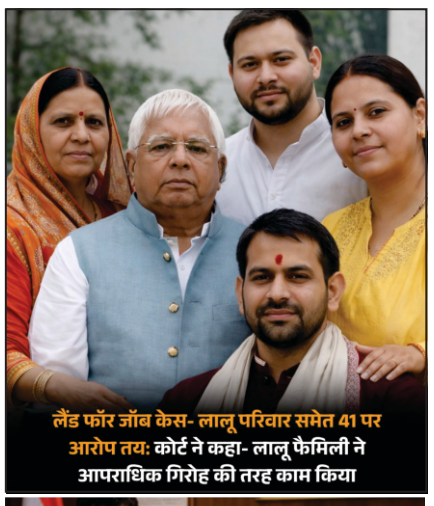

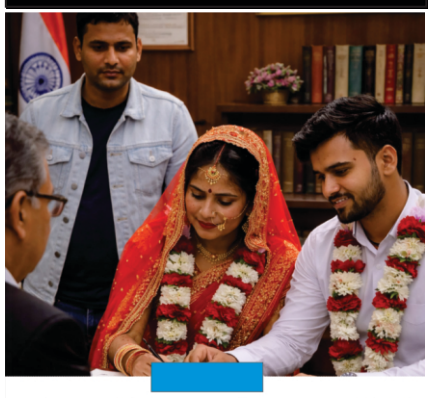

पश्चिम बंगाल में ईडी ने कोयला चोरी मनी लॉन्ड्रिंग मामले में पॉलिटिकल कंसल्टेंसी फर्म I-PAC के ठिकानों पर छापेमारी की. इस कार्रवाई के दौरान मुख्यमंत्री ममता बनर्जी भी मौके पर पहुंचीं और उन्होंने केंद्रीय एजेंसियों पर टीएमसी के दस्तावेज चोरी करने का आरोप लगाया.



**तीन बच्चों की माँ ने फुफेरे भाई से की कोर्ट मैरिज, पति खुद बना शादी का गवाह**

वैशाली में 3 बच्चों की माँ रानी को इंस्टाग्राम पर अपने फुफेरे भाई से प्यार हो गया। पति कुंदन ने विरोध करने के बजाय खुद कोर्ट में गवाह बनकर अपनी पत्नी को उसके प्रेमी के साथ विदा किया।

**प्रयागराज माघ मेला: आपदा को बनाया अवसर! पत्तल बेचकर कमा रहा है रोज़ के ₹5000!"**

भंडारे में पत्तल न होने की वजह से भूखा रहना पड़ा। इस बंदे ने अलग ही बिजनेस ढूंढ लिया अगले दिन से पत्तल बेचना शुरू कर दिया। आज वह 10 रुपये में 2 पत्तल बेचकर रोज़ाना ₹5000 तक की कमाई कर रहा है।






**लैंड फॉर जॉब केस- लालू परिवार समेत 41 पर आरोप तय: कोर्ट ने कहा- लालू फैमिली ने आपराधिक गिरोह की तरह काम किया**



## फुफेरे भाई पर आया दिल, 3 बच्चों की मां की कोर्ट मैरिज में पति बना गवाह

बिहार के वैशाली में रिश्तों की मर्यादा तोड़ने वाला अनोखा मामला सामने आया है. तीन बच्चों की मां रानी कुमारी ने इंस्टाग्राम पर फुफेरे भाई गोबिंद कुमार से हुए प्रेम के बाद पति कुंदन कुमार और बच्चों को छोड़कर कोर्ट मैरिज कर ली. हैरानी की बात यह रही कि पति कुंदन ने खुद गवाह बनकर रानी को विदा किया. बच्चे अब पिता के साथ रहेंगे।




## ग्रीनलैंड में छिपा कौन–सा खजाना, जिस पर है ट्रंप की टेढ़ी नजर

**नई दिल्ली,एजेंसी।** डोनल्ड ट्रंप ने वेनेजुएला पर हमला करके पूरी दुनिया को अमेरिका की पावर दिखाई है। अमेरिकी सेना ने वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को उन्हीं के घर से गिरफ्तार कर लिया और कैद करके अमेरिका ले गए।

अमेरिका की नजर अब ग्रीनलैंड पर है, जिसके पास कई अरब टन रेयर अर्थ खनिज हैं। साथ ही ग्रेफाइट और लीथियम के भी भंडार हैं। ग्रीनलैंड पर कब्जा करने के लिए ट्रंप किसी भी हद तक जाने के लिए तैयार हैं।

**ग्रीनलैंड खरीदना चाहते थे डोनल्ड ट्रंप**

डोनल्ड ट्रंप 2019 में अपने पहले कार्यकाल के दौरान भी ग्रीनलैंड को खरीदने में दिलचस्पी दिखाई थी। लेकिन डेनमार्क के अमेरिकी राष्ट्रपति के प्रस्ताव को ठुकरा दिया।

डेनमार्क ने डोनल्ड ट्रंप ने साफ तौर पर कह दिया कि आर्कटिक रीजन बिक्री के लिए उपलब्ध नहीं है। लेकिन इसके बाद भी अमेरिकी राष्ट्रपति की निगाहें ग्रीनलैंड से हटी नहीं हैं, वे आज भी इस पर कब्जा करना चाहते हैं।

**ग्रीनलैंड में छिपा है कौन सा खजाना?**

ग्रीनलैंड में कई तरह के रेयर अर्थ खनिज, ग्रेफाइट और लीथियम का भंडार है।

- ग्रीनलैंड में दुर्लभ पृथ्वी खनिजों का विशाल भंडार।
- ग्रीनलैंड में ग्रेफाइट, लिथियम और तेल के भंडार।
- ट्रंप ने 2019 में ग्रीनलैंड खरीदने की कोशिश की थी।

**अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप अब वेनेजुएला के बाद ग्रीनलैंड की तरफ देख रहे हैं। ट्रंप 2019 में भी ग्रीनलैंड को खरीदने की इच्छा जता चुके हैं।**

इसके अलावा इस द्वीप पर कच्चे तेल के भंडार होने का भी अनुमान है।

आर्कटिक क्षेत्र में जियोलॉजिकल सर्वे ऑफ डेनमार्क और ग्रीनलैंड के अनुसार, इस द्वीप पर 36.1 अरब टन रेयर अर्थ खनिज हैं।

ग्रीनलैंड में 60 लाख टन ग्रेफाइट होने का भी अनुमान है, जो कि दुनिया में मौजूद कुल ग्रेफाइट का 0.75 प्रतिशत हो सकता है।

ग्रीनलैंड में 2.35 टन लीथियम का भंडार होने का अनुमान है।

इस द्वीप पर 28 अरब बैरल कच्चा तेल होने का भी अनुमान है।

## मतदाताओं की शिकायतों को गंभीरता से ले रहा चुनाव आयोग, नए मतदाता बनने के लिए आए 16.5 लाख आवेदन

**लखनऊ,संवाददाता।** विशेष गहन पुनरीक्षण के तहत मतदाता सूची को लेकर मिल रही शिकायतों को चुनाव आयोग गंभीरता से ले रहा है। सोशल मीडिया के जरिए आ रही समस्याओं पर जिलों को त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण की प्रक्रिया में जारी मसौदा मतदाता सूची को लेकर लोगों की आपत्तियां और नाम जुड़ने में हो रही देरी पर लोगों की शिकायतों का सिलसिला जारी है। विभिन्न जिलों से लोग मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) के सोशल मीडिया एकाउंट एक्स पर शिकायतें दर्ज करा रहे हैं। सीईओ के स्तर से जिलों को समस्या के समाधान के निर्देश भेजे जा रहे हैं। गोरखपुर सहजनवां के अमित मिश्रा ने शिकायत की है कि बीएलओ ने 20 नवंबर 2025 को सत्यापन का कार्य पूरा कर लिया था। सभी दस्तावेज और अन्य जरूरी कागजात ठीक है। अब निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी (ईआरओ) के पास फॉर्म पड़ा हुआ है। ऐसे ही अलीगढ़ के रवि कुमार ने अपने परिवार की शीला देवी का नाम जुड़वाने के लिए 26 अक्तूबर 2025 को फॉर्म भरा और अभी तक उनका नाम नहीं जुड़ पाया है। ऐसी ही शिकायत कानपुर के सीसामऊ के किशन कुमार की है। उन्होंने एक्स पर दस्तावेज अपलोड करते हुए लिखा है कि पुष्पा, किशन कुमार व वैशाली का नाम स्थानांतरित करने के लिए फॉर्म–8 बीते 28 नवंबर 2025 को भरवाया गया, लेकिन अभी तक कोई परिणाम सामने नहीं आया। ऐसी ही शिकायत अन्य लोगों ने की है। सीईओ कार्यालय की ओर से सभी जिलों के डीएम को तत्काल इस मामले में कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं।

## उत्तराखंड की ब्लागर ने देवी–देवताओं और पहाड़ की महिलाओं का किया अपमान, पुलिस ने किया गिरफ्तार

**हल्द्वानी,एजेंसी।** उत्तराखंड की संस्कृति, देवी–देवताओं और कुमाऊं की महिलाओं ज्योति अधिकारी के खिलाफ टिप्पत्तिजनक करने वाली ब्लॉगर ज्योति अधिकारी को पुलिस ने बयान दर्ज कराने के बाद गिरफ्तार किया। उन पर धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने और दराती लहराने समेत पांच धाराओं में प्राथमिकी दर्ज की गई है। हल्द्वानी की जूही चुफाल ने तहरीर में बताया कि ज्योति ने सार्वजनिक सभा में अपमानजनक भाषा का प्रयोग किया। पुलिस ने ज्योति से साढ़े पांच घंटे पूछताछ की। एसपी सिटी मनोज कत्याल ने गिरफ्तारी की पुष्टि की है।

ऊंचापुल हिम्मतपुर मल्ला निवासी जूही चुफाल ने मुखानी थाना में दी तहरीर में कहा कि इंटरनेट मीडिया में प्रसारित वीडियो में हल्द्वानी की ब्लागर ज्योति अधिकारी पब्लिक प्लेस पर एक दराती को लहराते हुए प्रदेश की महिलाओं, संस्कृति व उत्तराखंड के देवी देवताओं पर बेहद अपमानजनक कथन, टिप्पणी व भद्दी भाषा का प्रयोग कर रही थी। कहा कि आरोप है कि वीडियो में कुमाऊं की महिलाओं को लेकर अपमानजनक टिप्पणियां की गईं, जिससे समाज में गलत संदेश गया है। इस घटना के बाद महिलाओं और आमजन में भारी आक्रोश व्याप्त है। इससे धार्मिक भावनाएं आहत हुई हैं।

**ब्लॉगर ज्योति अधिकारी उत्तराखंड में आपत्तिजनक टिप्पणी पर गिरफ्तार, देवी–देवताओं, कुमाऊं की महिलाओं पर की थी अपमानजनक टिप्पणी, धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने, दराती लहराने का आरोप।**



ब्लागर–ज्योति अधिकारी

## सम्पादकीय

# ट्रंप, मादुरो और मोदी बनाम राजा की शान

रिलायंस किस देश से कितना तेल खरीदता है यह आमतौर पर ऐसा विषय नहीं है, जिसकी खबर में आम जनता की दिलचस्पी हो। फिर भी रिलायंस इंडस्ट्रीज को यह सफाई पेश करने की जरूरत क्यों पड़ी, यह सोचने वाली बात है। क्या यह सफाई मोदी के हेडमास्टर की तरह व्यवहार कर रहे डोनाल्ड ट्रंप के लिए पेश की गई है। ध्यान रहे कि जब डोनाल्ड ट्रंप का शपथग्रहण समारोह हुआ था और एस जयशंकर को संभवतः न्यौते के जुगाड़ के लिए पहले से अमेरिका भेजा गया था। न्यूयार्क सिटी की अदालत में जज एल्विन हेलरस्टीन ने निकोलस मादुरो पर मुकदमा शुरु करने से पहले अपनी पहचान बताने कहा, तो बेड़ियों से जकड़े मादुरो ने शांत होकर जवाब दिया, मैं निकोलस मादुरो हूं। मैं वेनेजुएला गणराज्य का राष्ट्रपति हूं और तीन जनवरी से यहां अगवा होकर रखा गया हूं। मुझे वेनेजुएला में कराकास से मेरे घर से पकड़ा गया। मादुरो ने यह भी कहा कि 'मैं निर्दोष हूं। मैं एक सभ्य इंसान हूं।' सिकंदर और पोरस के बीच किस तरह का संवाद हुआ, इसका जिक्र केवल इतिहास में पढ़ा है। अब उसकी प्रत्यक्ष मिसाल देख ली। 326 ईसा पूर्व में झेलम नदी के किनारे सिकंदर और पोरस के बीच युद्ध हुआ जिसमें पोरस की हार हुई। पोरस को बंदी बनाने के बाद सिकंदर ने पोरस से पूछा कि उनके साथ किस तरह का सुलूक किया जाए। पोरस ने तुरंत जवाब दिया, 'जो एक राजा दूसरे राजा के साथ करता है।' इस जवाब से प्रभावित सिकंदर ने न केवल पोरस को युद्धक्षेत्र से जाने दिया, बल्कि उसकी जमीन भी उसे वापस कर दी। इस ऐतिहासिक संवाद का मर्म यही है कि राजा की आन, बान और शान उसकी सैन्य शक्ति, राज्य के क्षेत्रफल या धनसंपदा से नहीं बल्कि उसके नैतिक बल से कायम रहती है। अब राजशाही का जमाना नहीं है, लेकिन शासन चलाने के लिए शासन प्रमुख में साहस और नैतिक बल की दरकार तो शाश्वत है। इसके बिना न राजा का सम्मान रहता है, न उसके राज्य का। पोरस की शान आज तक बरकरार है, हम नहीं जानते कि मादुरो के साथ ट्रंप क्या सलूक करेंगे, लेकिन उन्होंने दुनिया में अपनी शान दिखा दी है। इस बीच ट्रंप का बड़बोलापन जारी है और भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को लेकर उन्होंने नया बयान दे दिया है। इस बार डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया है कि प्रधानमंत्री मोदी ने उनसे मुलाक़ात करनी चाही थी और पूछा था कि 'सर, क्या मैं आपसे मिल सकता हूं। मैंने हां कहा क्योंकि मेरे उनके साथ बहुत अच्छे रिश्ते हैं।' नरेन्द्र मोदी की अपनी शान का तो पता नहीं, लेकिन आजादी के बाद से अब तक अमेरिका के आगे न झुककर और उसकी घुड़कियों पर तुर्की ब तुर्की जवाब देकर जो शान भारत ने कमाई थी, मोदी उसे पूरी तरह मटियामेट करने पर तुल गए हैं। विपक्ष जाहिर तौर पर मोदी से जवाब मांग रहा है कि कम से कम अब तो कुछ कहिए। लेकिन मोदी ने न पहले कुछ कहा और न अब कुछ कहेंगे। बराक ओबामा को तो मोदी ने सबके सामने बराक कहकर बुलाया था, लेकिन ट्रंप को क्या अकेले में भी मोदी ने सर कहकर संबोधित किया, यह सोचने वाली बात है। हालांकि न ट्रंप ने पहली बार मोदी के नाम पर भारत का अपमान किया है और न मोदी ने पहली बार चुप्पी साधी है। दरअसल 11 सालों के शासन में नरेन्द्र मोदी ने यह जाहिर कर दिया है कि उन्हें भारत के इतिहास, संस्कृति, लोकतंत्र, संविधान, राजनैतिक मर्यादा और परंपराओं की कोई फिक्र नहीं है। उन्हें केवल अपनी सत्ता से मतलब है और वो भी इसलिए ताकि उसके जरिए पूंजीपतियों का हितसाधन हो सके।

2014 से पहले भारत में यूपीए सरकार के खिलाफ माहौल बनाने का जो काम किया गया और उस बीच अचानक नरेन्द्र मोदी को गुजरात से उठाकर दिल्ली की गद्दी पर बिठाने की रणनीति बनाई गई, तब से लेकर अब वेनेजुएला में निकोलस मादुरो का अपहरण और तख्ता पलट तक राजनीति की पहेली के टुकड़े बिखरे हुए हैं, इन्हें समेटे और एक सिरे से दूसरे सिरे को मिलाएं तो सत्ता को नियंत्रित करते पूंजीवादी गठजोड़ की तस्वीर बनती है। डोनाल्ड ट्रंप अपने पहले कार्यकाल में जो काम पूरा नहीं कर पाए, उसे इस कार्यकाल में जल्दी से जल्दी निबटाना चाहते हैं। इसलिए सत्ता संभालते ही ट्रंप ने टैरिफ लगाने से लेकर तीसरी दुनिया के देशों पर अमेरिका का दबदबा थोपने का काम नए सिरे से शुरु किया। पाकिस्तान तो शुरु से अमेरिका के कदमों में बिछा हुआ है। अब नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार भारत को भी ऐसा ही करने पर मजबूर कर रही है।

क्योंकि तेल के व्यापार पर नियंत्रण और उसके जरिए डॉलर की बादशाहत बनाने का जो खेल अमेरिका 80 के दशक से तेज कर चुका है, अब भारत में अंबानी जैसे व्यापारियों का हित भी उसी से जुड़ा है।

मोदी और अंबानी, अंबानी और ट्रंप, रूस और अंबानी के बीच तेल सौदा, इन सबसे पहले समझना जरूरी है कि यकायक वेनेजुएला पर हमले की वजह क्या है। वेनेजुएला के पास 303 अरब बैरल प्रमाणित तेल भंडार हैं। जो इस समय दुनिया में सबसे ज्यादा है, दुनिया के कुल तेल का यह 20 प्रतिशत है। लेकिन वेनेजुएला उस तेल को चीनी युआन में बेच रहा था। डॉलर में नहीं। 2018 में, वेनेजुएला ने घोषणा की कि वह 'डॉलर से खुद को मुक्त' करेगा। वेनेजुएला ने युआन, यूरो, रूबलकृडॉलर के अलावा अन्य मुद्राओं को भी तेल के बदले स्वीकार करना शुरू कर दिया था। इसके साथ ही वेनेजुएला ब्रिक्स में भी शामिल होना चाहता है। ऐसा हुआ तो दुनिया की जीडीपी के बड़े हिस्से में उसकी भी साझेदारी हो जाएगी। ब्रिक्स देशों में शामिल चीन पहले ही अमेरिका के एकाधिकार को चुनौती दे रहा है। उसकी बनाई भुगतान प्रणाली स्विफ्ट को दरकिनार करने के लिए चीन ने क्रास बॉर्डर इंटरबैंक पेमेंट सिस्टम (क्रिप्स) तैयार किया है, जिससे 185 देशों के 4800 से अधिक बैंक जुड़ चुके हैं। इसी तरह ब्रिक्स के देश भी ब्रिक्सपे के नाम से पेमेंट सिस्टम बना रहे हैं। इससे डी–डॉलराइजेशन की संभावनाएं बढ़ गई हैं। जबकि अमेरिकी वित्तीय व्यवस्था पेट्रोडॉलर पर ही टिकी है।

1974 में, हेनरी किसिंजर ने सऊदी अरब के साथ समझौता किया था कि दुनिया भर में बिकने वाला सारा तेल अमेरिकी डॉलर में मूल्य निर्धारित किया जाएगा। बदले में, अमेरिका सैन्य सुरक्षा प्रदान करेगा। इस समझौते से दुनिया भर में डॉलर की कृत्रिम मांग पैदा हुई, क्योंकि जिस भी देश को तेल खरीदना होता, तो उसके भुगतान के लिए डॉलर की जरूरत पड़ती। इससे अमेरिका केवल कागज पर बेशुमार डॉलर छापने लगा, जबकि बाकी देश अपनी जरूरतों के लिए तरह–तरह के समझौते करके डॉलर इक–ा करते रहे। इस व्यवस्था को 2000 में चुनौती देते हुए इराक के शासक सद्दाम हुसैन ने घोषणा की थी कि इराक तेल को डॉलर की बजाय यूरो में बेचेगा, तो नतीजा ये हुआ कि 2003 में इराक पर हमला कर सद्दाम हुसैन को फांसी दी गई। फिर 2009 में ऐसा ही दुस्साहस लीबिया के कर्नल गद्दाफी ने दिखाया और सोने से समर्थित अफ्रीकी मुद्रा 'गोल्ड दीनार' का प्रस्ताव तेल व्यापार के लिए रखा, जो समूचे अफ्रीकी महाद्वीप को आर्थिक तौर पर समर्थ बनाता। लेकिन अरब बसंत में लोकतंत्र के बहाने कर्नल गद्दाफी को भी 2011 में मरवा दिया गया। लेकिन अमेरिका के पेट्रो डॉलर वाली दादागिरी को चुनौती मिलना खत्म नहीं हुआ। इस बार निकोलस मादुरो ने ये साहस किया, तो अब उन्हें भी पकड़ लिया गया है और ट्रंप ने खुलकर कहा है कि अब अमेरिकी तेल कंपनियां वेनेजुएला के तेल पर कब्जा करेंगी। मादुरो के साथ डी–डॉलराइजेशन के लिए चीन, रूस और ईरान भी साथ आ रहे थे। रूस और चीन पर हमले की हिम्मत तो ट्रंप में नहीं है, अलबत्ता ईरान में पिछले साल हुए इजरायल के आक्रमण और अभी जनता के प्रदर्शन में अमेरिका की कितनी भागीदारी है, यह किसी से छिपा नहीं है।

अब आएं भारत पर। ट्रंप खुद इस बात को कह चुके हैं कि भारत पर लगाए गए अमेरिकी टैरिफ़ की वजह से अब भारत रूस से कम तेल ख़रीद रहा है। ट्रंप ने कहा है कि मोदी को पता था कि मैं खुश नहीं था और मुझे खुश करना ज़रूरी था। इस बीच मुकेश अंबानी की कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड का बयान दो दिन पहले आया कि ब्लूमबर्ग में प्रकाशित वह समाचार रिपोर्ट जिसमें दावा किया गया है कि 'रूसी तेल से लदे तीन जहाज रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड की जामनगर रिफाइनरी की ओर जा रहे हैं', सरासर झूठ है।

# स्वामी विवेकानंद का युवाओं के लिए संदेश

स्वामी विवेकानंद का युवाओं को स्पष्ट संदेश था कि, उन्हें निडर, आत्मविश्वासी और साहसी बनने, हर काम पूरी एकाग्रता लगाकर करने, समाज के कमजोर वर्गों की सेवा करने और अपने अंदर की दिव्य शक्ति को पहचान कर देश के उत्थान के लिए निस्वार्थ भाव से कार्य करने के लिए आगे आना चाहिए, ताकि वे श्रेष्ठ भारत का निर्माण कर सकें। भारत अपने युवाओं की ऊर्जा, सपनों और शक्ति का उत्सव राष्ट्रीय युवा दिवस के रूप में प्रत्येक वर्ष मनाता है। इस दिन को स्वामी विवेकानंद की जयंती की स्मृति में मनाया जाता है, जो हमें याद दिलाता है कि भारत का भविष्य उसके युवाओं के हाथों में सुरक्षित है। इतिहास साक्षी है कि जब–जब राष्ट्र ने करवट बदली, युवाओं ने ही परिवर्तन की मशाल थामी है। विवेकानंद केवल एक संत या दार्शनिक नहीं थे, वे युवाओं के भीतर सोई हुई शक्ति को जगाने वाले युगद्रष्टा थे। उन्होंने भारत को आत्मविश्वास, आत्मगौरव और आत्मनिर्भरता का मंत्र दिया था। स्वामी विवेकानंद ने पूरे भारतवर्ष का भ्रमण कर देश की सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक स्थितियों को गहराई से समझा। 1893 में शिकागो धर्म संसद में उनका ओजस्वी उद्बोधन भारत की आध्यात्मिक शक्ति का वैश्विक उद्घोष था। वे वेद, उपनिषद, पुराण, दर्शन और साहित्य के गहन ज्ञाता थे, किंतु उनकी दृष्टि केवल अध्यात्म तक सीमित नहीं थी। वे चरित्र निर्माण, कर्मयोग और राष्ट्र सेवा को जीवन का सर्वोच्च लक्ष्य मानते थे। उनका स्पष्ट मत था कि यदि भारत को जागृत करना है तो उसकी युवा शक्ति पर भरोसा करना होगा। विवेकानंद चाहते थे कि युवा अपने कंफर्ट जोन से बाहर निकलें, आत्मकेंद्रित जीवन से ऊपर उठें और राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाएं।

उनकी यह आकांक्षा आज राष्ट्रीय युवा दिवस की भावना में स्पष्ट रूप से परिलक्षित होती है। वर्तमान वैश्विक परिदृश्य बीते सौ वर्षों में अभूतपूर्व रूप से बदल चुका है। विज्ञान और तकनीक के तीव्र विकास ने जीवनशैली, कार्यसंस्कृति और सोच के ढांचे को बदल दिया है। शिक्षा का विस्तार हुआ है, अवसरों के नए द्वार खुले हैं, परंतु इसके साथ–साथ चुनौतियां भी बढ़ी हैं। आज का युवा एक ओर वैश्विक सपनों से जुड़ा है तो दूसरी ओर बेरोजगारी, प्रतिस्पर्धा और असुरक्षा से जूझ रहा है। बीते दो–तीन दशकों में आर्थिक बदलावों, ब्रांड संस्कृति और उपभोक्तावाद ने युवा मन को गहराई से प्रभावित किया है। मध्यमवर्गीय युवा आज ऊंची आकांक्षाओं और सीमित संसाधनों के द्वंद्व में फंसा है। बड़े शहरों की चकाचौंध, मॉल संस्कृति और आकर्षक पैकेज उसे लुभाते हैं, वहीं पारिवारिक अपेक्षाओं का बोझ भी उसे दबाता है। शिक्षा प्राप्त कर लेने के बाद भी जब रोजगार नहीं मिलता, तो निराशा, कुंठा और हताशा जन्म लेती है। समय पर मंजिल न मिलने से युवा मानसिक तनाव का शिकार हो रहा है। प्रश्न यह है कि इस पीड़ा को समझने और उसका समाधान खोजने की जिम्मेदारी कौन निभाएगा? आज आवश्यकता है कि हम अपने युवाओं को आध्यात्मिक, सामाजिक, शारीरिक और बौद्धिक रूप से मजबूत बनाएं। शिक्षा व्यवस्था की असमानताएं भी युवाओं की चिंता का बड़ा कारण हैं। एक ही राष्ट्र में अनेक शिक्षा प्रणालियां, शिक्षकों की कमी, गुणवत्ता का अभाव और डिग्री के बावजूद बेरोजगारी, ये सभी स्थितियां युवाओं को भीतर से तोड़ती हैं। निजी और सरकारी क्षेत्र में योग्यता के अनुरूप वेतन न मिलना युवा शक्ति का शोषण है। भारत एक युवा देश है और यहां लगभग 65 प्रतिशत आबादी 35 वर्ष से कम आयु की है। यही हमारी सबसे बड़ी ताकत है और यही सबसे बड़ी चुनौती भी। वर्ष 2014 में राष्ट्रीय युवा नीति के अंतर्गत युवाओं को सशक्त बनाने और उनकी क्षमताओं के अनुरूप अवसर देने की परिकल्पना की गई थी। किंतु वास्तविकता यह है कि आज भी करोड़ों युवा बेरोजगार हैं। शिक्षा के अनुपात में रोजगार सृजन नहीं हो पा रहा है। ऐसे में यदि समय रहते सार्थक हस्तक्षेप न हुआ, तो भटके हुए युवा अपराध और नशे की ओर भी जा सकते हैं। विभिन्न सर्वेक्षणों से यह तथ्य सामने आया है कि आज का युवा अपने भविष्य को लेकर असुरक्षित और अपनेपन की कमी महसूस करता है। वह व्यवस्था पर सवाल उठा रहा है। उसे लगता है कि राजनीति, नौकरशाही, उद्योग और अपराध के गठजोड़ से राष्ट्रीय हित प्रभावित हो रहे हैं। यह असंतोष चेतावनी भी है और अवसर भी, चेतावनी इसलिए कि अनसुना किया गया युवा विद्रोही बन सकता है और अवसर इसलिए कि यदि उसकी ऊर्जा को सही दिशा दी जाए तो वह राष्ट्र को नई ऊंचाइयों पर ले जा सकता है। स्वामी विवेकानंद ने एक शताब्दी पूर्व ही चेताया था कि भौतिक प्रगति की अंधी दौड़ में पारिवारिक और सामाजिक मूल्य क्षीण हो रहे हैं।

# चार साधु और चोर

चार साधु थे। वे शहर के पास एक जंगल में रहते थे और भगवान का भजन–स्मरण करते थे। उन चारों साधुओं की अपनी अलग–अलग एक निष्ठा थी। एक दिन वहां के राजा ने अपनी स्त्री से कहा कि हमें अपने लडक़े को अच्छा संत बनाना है, फिर वह चाहे राज्य करे, चाहे साधु बन जाए। रानी बोली कि महाराज! जो संत बनना चाहता है, वही संत बन सकता है, दूसरे के बनाने से कैसे बन जाएगा। आपका और मेरा उद्योग थोड़े ही काम करेगा। राजा ने कहा कि इसका एक उपाय है– सत्संग! रानी बोली कि ऐसा कोई अच्छा संत है, जिसके पास लडक़े को भेजें? राजा बोला कि यहां पास में ही जंगल में चार अच्छे संत रहते हैं। उनके पास लडक़े को भेज देते हैं। इस प्रकार राजा और रानी बातें कर रहे थे। रात्रि का समय था। दैवयोग से एक चोर, जो चोरी करने के उद्देश्य से वहां आया था, छिपकर उनकी बातें सुन रहा था। उस चोर के मन में आया कि चोरी करने से तो मैं फंस भी सकता हू, पर साधु बन जाऊं तो काम बन जाएगा! राजकुंअर आएगा और मेरा चेला बन जाएगा, फिर चोरी करने की क्या जरूरत है? चोर ने गेरुआ वस्त्र पहन लिए और जंगल में चला गया। उसके मन में आया कि कोई पूछेगा तो मैं क्या उपदेश दूंगा! ऐसा सोचकर वह चार संतों में से पहले सन्त के पास गया और पूछा कि महाराज! कल्याण कैसे हो? संत ने कहा, भाई किसी का जी मत दुखाओ, किसी को दुःख मत दो। चोर दूसरे सन्त के पास पहुंचा और बोला कि महाराज! मैं कल्याण चाहता हूं, कोई उपाय बताओ। संत बोले, कभी किंचिन्मात्र भी झूठ नहीं बोलना, सदा सत्य ही बोलना। अब वह चोर तीसरे संत के पास गया और बोला कि महाराज! मेरा कल्याण कैसे हो? संत बोले, सीधी–सादी बात है, रात–दिन राम–राम करो। अब वह चौथे सन्त के पास पहुंचा और बोला कि महाराज! कल्याण कैसे हो? सन्त बोले– भाई! एक भगवान के शरण हो जाओ। मन में यह बात अटल रहे कि मैं तो केवल भगवान का हूं। चोर ने चारों सन्तों से चार बातें सीख लीं और आगे जाकर बैठ गया। अब राजा आया। वह क्रमशः चारों सन्तों के पास गया।

चारों ने एक–एक बात कह दी। राजा ने देखा कि आगे पांचवां साधु भी बैठा है! राजा उसके पास भी गया और प्रार्थना की कि महाराज! कृपा करके कल्याण की बात बताएं। वह साधुवेषधारी चोर चुपचाप ध्यान में बैठा रहा, कुछ बोला नहीं। राजा ने ज्यादा प्रार्थना की तो वह बोला– मैं जैसा बताऊंगा, वैसा करोगे? राजा ने कहा कि हां महाराज! वैसा ही करूंगा। वह बोला– किसी का जी मत दुखाओ। राजा बोला, और कोई बात? वह बोला– सदा सत्य बोलो। राजा बोला– दूसरी कोई बात? वह बोला– भगवान के नाम का जप करो। राजा बोला, और कुछ बताइये! वह बोला– भगवान के शरण हो जाओ। राजा बोला– महाराज! और कोई बात? वह बोला– सन्त जैसा कहे, वैसा कर दो। राजा ने मन में विचार किया कि यह सन्त ज्यादा ऊंचा है! अन्य सन्तों ने तो एक–एक बात कही, पर इन्होंने पांच बातें कह दीं! राजा बड़े सरल स्वभाव का था। उसको मालूम नहीं था कि सन्त की पहचान इस तरह नहीं होती। राजा लौटकर महल में आ गया। रात होने पर वह चोर फिर छिपकर महल में आया। जब राजा रानी के पास गया, तब वह चोर दरवाजे के पीछे छिपकर उनकी बातें सुनने लगा। रानी ने पूछा कि क्या बात हुई? राजा ने कहा कि मैं जंगल में सन्तों के दर्शन करके आया हूं। मैं तो चार ही सन्त समझता था, पर वहां पांच सन्त बैठे थे। रानी बोली– वहां जाकर आपने क्या कहा? राजा बोला– मैंने भगवत्प्राप्ति की बात पूछी तो उनमें से एक संत ने कहा कि किसी का जी मत दुखाओ, दूसरे ने कहा कि सदा सत्य बोलो, तीसरे ने कहा कि नाम–जप करो, चौथे ने कहा कि भगवान के शरण हो जाओ। परंतु पांचवें सन्त ने उन चारों सन्तों की चार बातें भी बतायीं और साथ में पांचवीं बात यह बतायी कि सन्त की आज्ञा का पालन करो। राजा और रानी दोनों सच्चे और सरल स्वभाव के थे। उन्होंने विचार किया कि वह पांचवां सन्त ठीक है, अपने लडक़े को उसी के पास भेजो। उनकी बातों का चोर पर बड़ा असर पड़ा कि अरे।

# पत्रकार विवेक अस्थाना के परिवार को सीएम योगी ने दिया आर्थिक संबल

**गोरखपुर,संवाददाता।** गोरखपुर जर्नलिस्ट्स प्रेस क्लब के आजीवन सदस्य, पत्रकार, रंगकर्मी विवेक अस्थाना का पांच जनवरी को हृदयाघात से निधन हो गया था। वह परिवार के एकमात्र आयार्जक सदस्य थे। परिवार की सहायता के लिए गोरखपुर जर्नलिस्ट्स प्रेस क्लब की तरफ से, बुधवार दोपहर बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को प्रार्थना पत्र देकर अनुरोध किया गया था। सीएम योगी ने त्वरित संवेदना दिखाई और 19 घंटे के भीतर परिवार को आर्थिक सहायता मिल गई।

हर जरूरतमंद के साथ आत्मिक संवेदना रखते हुए भरपूर सहायता उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार सुबह दिवंगत पत्रकार विवेक अस्थाना के परिवार को आर्थिक संबल प्रदान किया। मुख्यमंत्री ने स्वर्गीय अस्थाना की पत्नी और दोनों बच्चों को विवेकाधीन कोष से पांच लाख रुपये की आर्थिक सहायता का चेक सौंपा और उन्हें आश्वस्त किया कि दुःख की इस घड़ी में वह परिवार के साथ हैं। गोरखपुर जर्नलिस्ट्स प्रेस क्लब के आजीवन सदस्य, पत्रकार, रंगकर्मी विवेक अस्थाना का पांच जनवरी को हृदयाघात से निधन हो गया था। वह परिवार के एकमात्र आयार्जक सदस्य थे। परिवार की सहायता के लिए गोरखपुर जर्नलिस्ट्स प्रेस क्लब की तरफ से, बुधवार दोपहर बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को प्रार्थना पत्र देकर अनुरोध किया गया था। सीएम योगी ने त्वरित संवेदना दिखाई और 19 घंटे के भीतर परिवार को आर्थिक सहायता मिल गई।

सीएम योगी आर्थिक संबल स्वरुप चेक भेंट करते हुए –

मुख्यमंत्री ने गुरुवार सुबह विवेक अस्थाना की पत्नी निहारिका, दोनों बच्चों दिव्य और देव से गोरखनाथ मंदिर के बैठक कक्ष में मुलाकात की। उनका दुःख बांटा। पांच लाख रुपये की आर्थिक सहायता का चेक सौंपा। उन्होंने बच्चों से पढ़ाई के बारे में पूछा और खूब मन लगाकर पढ़ने के लिए प्रेरित किया। सीएम ने परिवार को यह भी भरोसा दिया कि उनकी हर संभव मदद की जाएगी। इस अवसर पर भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष एवं एमएलसी डॉ. धर्मेंद्र सिंह, विधायक प्रदीप शुक्ल, सीडीओ शाश्वत त्रिपुरारी, एडीएम वित्त एवं राजस्व विनीत कुमार सिंह भी मौजूद रहे।

# तस्करी का धंधा: सवा दो करोड़ रुपये के अवैध सोने के साथ तीन गिरफ्तार

**गोरखपुर,संवाददाता।** हिंदी बाजार समेत अन्य बाजारों में इसे खपाया जाता है। डीआरआई को सूचना मिली कि बैंकॉक से खपाए जाने वाला सोना कोलकाता होकर गोरखपुर में आने वाला है। सूचना पर डीआरआई की टीम गोरखपुर रेलवे स्टेशन पहुंच गईं। टीम ने कोलकाता से गोरखपुर आने वाली ट्रेन में अवैध सोने के साथ तीन तस्करों को पकड़ लिया। इनके पास से 1600 ग्राम सोना बरामद किया गया। डीआरआई फिलहाल पकड़े गए तस्करों से रैकेट के संबंध में पूछताछ कर रही है।

राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) की टीम ने बुधवार को गोरखपुर रेलवे स्टेशन पर सवा दो करोड़ रुपये के साथ तीन तस्करों को गिरफ्तार किया है। आरोपी कोलकाता से अवैध सोना लेकर गोरखपुर आए थे। सूत्रों का कहना है कि बैंकॉक से कोलकाता के रास्ते आया यह अवैध सोना गोरखपुर, कुशीनगर, महराजगंज और देवरिया में खपाने की तैयारी थी। टीम ने वाराणसी में विशेष मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट कृष्ण कुमार की अदालत में गिरफ्तार तीन आरोपियों को पेश किया। कोर्ट ने गोरखपुर निवासी आशीष कुमार, गंगा सागर गुप्ता और जयप्रकाश को न्यायिक रिमांड पर जेल भेजने का आदेश दिया। डीआरआई गोरखपुर के अधिकारी राहुल कुमार सिंह ने विशेष अभियोजक अधिकारी के माध्यम से अदालत में आवेदन देकर तीनों आरोपियों के न्यायिक रिमांड की मांग की।

दरअसल, बैंकॉक से भारत में अवैध सोने का रैकेट कोलकाता से संचालित होता है। गोरखपुर के हिंदी बाजार समेत अन्य बाजारों में इसे खपाया जाता है। डीआरआई को सूचना मिली कि बैंकॉक से खपाए जाने वाला सोना कोलकाता होकर गोरखपुर में आने वाला है। सूचना पर डीआरआई की टीम गोरखपुर रेलवे स्टेशन पहुंच गईं। टीम ने कोलकाता से गोरखपुर आने वाली ट्रेन में अवैध सोने के साथ तीन तस्करों को पकड़ लिया। इनके पास से 1600 ग्राम सोना बरामद किया गया। डीआरआई फिलहाल पकड़े गए तस्करों से रैकेट के संबंध में पूछताछ कर रही है।

**तीनों तस्कर शहर के, नेटवर्क खंगाल रही एजेंसी**

एजेंसी की तरफ से पकड़े गए तीनों आरोपी गोरखपुर के रहने वाले हैं। अभी तक की तफ्तीश में सामने आया है कि इनका नेटवर्क शहर के कुछ धंधेबाजों से जुड़ा हैं। ऐसे में हिंदी बाजार के कुछ धंधेबाज भी एजेंसी के रडार पर हैं।

**गोरखपुर मंडल में खपाने की योजना**

एजेंसी के सूत्रों ने बताया कि गिरफ्तारी के बाद आरोपियों के पास से कुछ धंधेबाजों के रिकॉर्ड भी मिले हैं। डायरी में कुछ नाम भी सामने आए हैं। ये नाम कुशीनगर, महराजगंज और देवरिया के धंधेबाजों के हैं। एजेंसी मान रही है कि तस्करी का सोना मंडल के इन जिलों में खपाने की तैयारी थी।

# सीएम योगी बोले– जमीन कब्जाने वाले भू माफियाओं का करें 'उपचार'

**गोरखपुर,संवाददाता।** गोरखनाथ मंदिर प्रवास के दौरान गुरुवार सुबह मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की दिनचर्या परंपरागत रही। गुरु गोरखनाथ का दर्शन पूजन करने तथा अपने गुरुदेव ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ की प्रतिमा समक्ष शीश झुकाने के बाद वह मंदिर परिसर के भ्रमण पर निकले। मंदिर की गोशाला में पहुंचकर गोसेवा की। गायों और गोवंश को स्नेहिल भाव से गुड़ खिलाया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर प्रवास के दौरान गुरुवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन में विभिन्न जिलों से आए लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। इस दौरान उन्होंने कहा कि हर व्यक्ति की समस्या का समाधान, सरकार का संकल्प है।

सीएम ने अफसरों को निर्देशित किया कि वे पूरी तत्परता और संवेदनशीलता से यह सुनिश्चित करें कि बिना भेदभाव सबको

न्याय मिले। हर पात्र को जन कल्याणकारी योजनाओं का लाभ मिले, जरूरतमंदों के समुचित इलाज की व्यवस्था हो, जमीन कब्जाने वाले भू माफिया व दबंगों के खिलाफ कठोर कार्रवाई हो। गोरखनाथ मंदिर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन सभागार में आयोजित जनता दर्शन कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने करीब 150 लोगों की समस्याएं सुनीं। कुर्सियों पर बैठे लोगों तक खुद गए। उनकी समस्याओं व शिकायतों को ध्यान से सुना। सबके प्रार्थना पत्रों को संबंधित अधिकारियों को संदर्भित करते हुए त्वरित और संतुष्टिपरक निस्तारण का निर्देश देने के साथ लोगों को भरोसा दिलाया कि सरकार हर पीड़ित की समस्या का समाधान कराने के लिए प्रतिबद्ध है। जनता दर्शन में गंभीर बीमारियों के उपचार के लिए आर्थिक मदद की गुहार लेकर आए कई लोगों से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि धन के अभाव में किसी का इलाज नहीं रुकेगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जो भी जरूरतमंद हैं, प्रशासन उनके उच्च स्तरीय इलाज का इस्टीमेट शीघ्रता से बनवाकर उपलब्ध कराए। इस्टीमेट मिलते ही सरकार तुरंत धन उपलब्ध कराएगी। राजस्व और कानून व्यवस्था से जुड़े मामलों में मुख्यमंत्री ने शीघ्रता से निस्तारण के निर्देश दिए।

**सीएम योगी ने की गोसेवा, गोवंश को खिलाया गुड़**

गोरखनाथ मंदिर प्रवास के दौरान गुरुवार सुबह मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की दिनचर्या परंपरागत रही। गुरु गोरखनाथ का दर्शन पूजन करने तथा अपने गुरुदेव ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ की प्रतिमा समक्ष शीश झुकाने के बाद वह मंदिर परिसर के भ्रमण पर निकले। मंदिर की गोशाला में पहुंचकर गोसेवा की। गायों और गोवंश को स्नेहिल भाव से गुड़ खिलाया। गुरुवार सुबह मंदिर परिसर का भ्रमण करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने परिजनों के साथ आए बच्चों से मिल उन्हें प्यार–दुलार, आशीर्वाद और चॉकलेट दिया।

# सीएम योगी का निर्देश– 'भीषण शीतलहर में कोई भी फुटपाथ पर न सोए'

**गोरखपुर,संवाददाता।** गोरखपुर दौरे पर आए सीएम योगी ने बरगदवा और राप्तीनगर स्थित अस्थायी रैन बसेरे का निरीक्षण किया। उन्होंने रैन बसेरों में ठहरे लोगों से उनका हालचाल जाना और बातचीत की। मुख्यमंत्री ने सभी से रैन बसेरे में मिल रही सुविधाओं के बारे में भी जानकारी ली। सबने रैन बसेरे में उपलब्ध व्यवस्थाओं को लेकर संतोषजनक जवाब दिया और भीषण शीतलहर में अच्छी सुविधा दिलाने के लिए मुख्यमंत्री के प्रति आभार भी व्यक्त किया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को गोरखपुर महानगर में दो अस्थायी रैन बसेरों (बरगदवा व राप्तीनगर) का निरीक्षण कर वहां की व्यवस्थाओं की पड़ताल की। इस अवसर पर उन्होंने रैन बसेरे में ठहरे लोगों और रैन बसेरों के बाहर जरूरतमंदों में कंबल व भोजन का भी वितरण किया। निरीक्षण और कंबल वितरण के बाद मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के सभी जिलों में जिला प्रशासन और नगर निगम, नगर निकाय–स्थानीय निकायों के प्रशासन को निर्देश दिए गए हैं कि कोई भी व्यक्ति खुले में, फुटपाथ या पटरियों पर न सोए। उसे रैन बसेरों में उचित व्यवस्था के साथ रहने का सम्मानजनक ठौर दिया जाए। उन्होंने बताया कि जनता को भीषण शीतलहर से बचाने के लिए सभी जिलों में जिला प्रशासन को पर्याप्त धनराशि दी गई है। गोरखपुर दौरे पर आए सीएम योगी ने बरगदवा

और राप्तीनगर स्थित अस्थायी रैन बसेरे का निरीक्षण किया। उन्होंने रैन बसेरों में ठहरे लोगों से उनका हालचाल जाना और बातचीत की। मुख्यमंत्री ने सभी से रैन बसेरे में मिल रही सुविधाओं के बारे में भी जानकारी ली। सबने रैन बसेरे में उपलब्ध व्यवस्थाओं को लेकर संतोषजनक जवाब दिया और भीषण शीतलहर में अच्छी सुविधा दिलाने के लिए मुख्यमंत्री के प्रति आभार भी व्यक्त किया। दोनों रैन बसेरों में और यहां के बाहर मुख्यमंत्री ने अपने हाथों से जरूरतमंदों में कंबल व भोजन का वितरण कर उन्हें आश्वस्त किया कि सरकार उनकी सेवा व सहूलियत के लिए संकल्पित भाव से कार्य कर रही है।

**भीषण शीतलहर से बचाव के लिए पूरे प्रदेश में व्यापक इंतजाम : सीएम योगी**

रैन बसेरों का निरीक्षण करने के बाद मीडिया से बातचीत में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि वर्तमान समय में भीषण शीतलहर का प्रकोप है। लोगों को इससे बचाने के लिए प्रदेश सरकार द्वारा सभी जिला प्रशासन को युद्ध स्तर पर कदम उठाने के निर्देश दिए गए हैं। हर जिले में व्यापक पैमाने पर रन रैन बसेरों का संचालन करने, जरूरतमंदों में कंबल व ऊनी वस्त्रो का वितरण करने तथा सार्वजनिक स्थानों पर पर्याप्त संख्या में अलाव जलाने के निर्देश दिए गए हैं। मुख्यमंत्री ने बताया कि गोरखपुर महानगर में 19 रैन बसेरे संचालित हो रहे हैं, जिनमें एक हजार जरूरतमंद या फुटपाथ–पटरियों पर सोने को मजबूर लोगों के रहने के लिए अस्थायी तौर पर व्यवस्था की गई है। रैन बसेरे सुरक्षित हैं और व्यवस्थित तरीके से संचालित हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि गोरखपुर की तरह ही प्रदेश के सभी महानगरों सभी जनपदों में व्यापक पैमाने पर रैन बसेरे संचालित किए जा रहे हैं। जिला प्रशासन और नगर निकाय–स्थानीय निकाय प्रशासनों को हिदायत दी गई है कि जिसके पास अपना स्वयं रहने का ठिकाना नहीं है, वे लोग फुटपाथ पर गुजारा न करें बल्कि उन्हें रैन बसेरों में लाकर उचित व्यवस्था दी जाए। उन्होंने बताया कि पूरे प्रदेश में जिला प्रशासन और नगर निकाय प्रशासन की तरफ से ये कार्य किए जा रहे हैं।

**स्वयंसेवी संगठन और धर्मार्थ संस्थाएं भी आगे आएं**

मुख्यमंत्री ने स्वयंसेवी संगठनों और धर्मार्थ संस्थाओं से भी अपील की है कि वे भीषण शीतलहर में लोगों की सहायता के लिए आगे आएं। उन्होंने संस्थाओं से जरूरतमंदों में कंबल और ऊनी वस्त्रों के वितरण का आह्वान करते हुए कहा कि यह पुण्य और धर्मार्थ का कार्य है। रैन बसेरों के निरीक्षण और कंबल वितरण के दौरान महापौर डॉ. मंगलेश श्रीवास्तव, भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष एवं एमएलसी डॉ. धर्मेंद्र सिंह, विधायक विपिन सिंह, भाजपा के महानगर संयोजक राजेश गुप्ता, स्थानीय पार्षद आदि उपस्थित रहे।

**एक माह में तीसरी बार रैन बसेरों का जायजा लेने फील्ड में उतरे सीएम योगी**

जनता की सेवा और जरूरतमंदों की सुविधा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की शीर्ष प्राथमिकता है, इसे उन्होंने हमेशा सिद्ध किया है। जनसेवा के अभियान को गति देते हुए सीएम योगी एक माह के भीतर तीसरी बार गोरखपुर में फील्ड में उतरे। दो रैन बसेरों का निरीक्षण और जरूरतमंदों में कंबल वितरित करने से पूर्व 28 दिसंबर तथा 10 दिसंबर को भी उन्होंने रैन बसेरों का जायजा लेकर कंबल वितरण किया था। बुधवार को सीएम योगी राप्तीनगर व मोहरीपुर स्थित रैन बसेरों में पहुंचे थे। जबकि 28 दिसंबर को उन्होंने टीपीनगर, धर्मशाला बाजार तथा 10 दिसंबर को रेलवे स्टेशन के सामने और झूलेलाल मंदिर के पीछे स्थित रैन बसेरों का निरीक्षण किया था।

# वाराणसी में रोज पांच महिलाएं हो रहीं हिंसा की शिकार

**वाराणसी,संवाददाता।** एक साल में अलग–अलग थानों में महिला अपराध से जुड़े 1686 मामले दर्ज किए गए। यहां रोज पांच महिलाएं हिंसा की शिकार हो रही हैं। वहीं हर 15 दिन में दुष्कर्म की घटना सामने आई। कमिश्नरेट पुलिस की ओर से महिला अपराध की रोकथाम और तुरंत कार्रवाई के दावों के बाद भी एक साल में अलग–अलग थानों में महिला अपराध से जुड़े 1686 मामले दर्ज किए गए।

इनमें घरेलू हिंसा, मारपीट, उत्पीड़न, छेड़खानी, पॉक्सो और दुष्कर्म जैसे गंभीर अपराध शामिल हैं। पुलिस आंकड़ों के अनुसार, औसतन रोज पांच महिलाएं किसी न किसी रूप में हिंसा का शिकार हुईं। वहीं, साल भर में 27 दुष्कर्म के मामले सामने आए, यानी हर 15 दिन में एक महिला के साथ दुष्कर्म की घटना हुई।

कमिश्नरेट व्यवस्था लागू होने के बाद 284 महिलाएं दुष्कर्म का शिकार हो चुकी हैं। हालांकि, पुलिस का दावा है कि 2025 में दुष्कर्म के मामलों में बीते साल से कमी आई है। महिलाओं से छेड़खानी और पॉक्सो एक्ट से जुड़े अपराध का आंकड़ा प्रतिदिन दो का है। एक साल में ऐसे 910 मामले सामने आए, जिनमें विवेचना के बाद प्राथमिकी दर्ज की गई।

दुष्कर्म से जुड़े मामलों में 509 अभियुक्तों की गिरफ्तारी हुई, जबकि 448 पॉक्सो के मामलों में आरोपियों को जेल भेजा गया। घर में भी महिलाओं को प्रताड़ित किया गया। इस तरह के 617 मामले मिशन शक्ति केंद्रों पर आए। कुछ का निस्तारण हुआ, कुछ को कानूनी सहायता मिली जबकि 92 पीड़िताओं को मेडिकल सहायता उपलब्ध कराई गई।

महिला अपराध से जुड़े मामलों की विवेचना के दौरान 1054 अभियुक्तों के खिलाफ कार्रवाई में 381 मामलों में फाइनल रिपोर्ट दाखिल की गई। 106 आरोपियों पर गुंडा एक्ट के तहत कार्रवाई की गई। पुलिस के अनुसार, कुछ मामलों में काउंसिलिंग, समझौते या प्रारंभिक जांच के बाद आगे की कार्रवाई नहीं हो सकी।

**सिर्फ 67 मामलों में ही सजा**

पुलिस जांच और अदालती प्रक्रिया के बाद 2025 में महिला अपराध से जुड़े केवल 67 मामलों में सजा हो सकी। दुष्कर्म के दो, पॉक्सो के 52 और दहेज हत्या के 11 मामलों में दोषियों को सजा सुनाई गई। शेष मामले न्यायालय में लंबित हैं या विवेचना प्रक्रिया में है।

**565 अपहृत महिलाओं और बालिकाएं मिलीं**

महिला संबंधी अपराधों के तहत दो साल में पुलिस ने 565 अपहृत महिलाओं और बालिकाओं को बरामद किया। पुलिस का कहना है कि अधिकांश मामले बहला–फुसलाकर ले जाने, सोशल मीडिया से संपर्क या परिचय व रिश्तेदारी के दायरे में बने संबंधों से जुड़े थे। कई मामलों में आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है, जबकि कुछ अभी भी पुलिस की पकड़ से बाहर हैं।

# जेल में गुमसुम रहा... रात का खाना भी नही खाया

## बांदा का दुष्कर्मी अमित अब कैदी नंबर 702, ठिकाना बैरक 9–ए

**कानपुर,संवाददाता।** बांदा दुष्कर्म कांड में मजबूत पैरवी और सटीक रणनीति से इंसाफ मिला है। मामले को आरोप पत्र की खामियां दूर कर 'रेयरेस्ट ऑफ रेयर' साबित किया। दोषी अमित रैकवार फांसी की सजा के बाद अब नाम नहीं एक नंबर से जाना जाएगा। बांदा में छह वर्षीय मासूम से दुष्कर्म के जघन्य मामले में आए ऐतिहासिक फैसले के पीछे शासकीय अधिवक्ताओं की अथक मेहनत, संवेदनशील सोच और मजबूत कानूनी रणनीति का महत्वपूर्ण योगदान रहा। पॉक्सो मामलों के शासकीय अधिवक्ता कमल सिंह गौतम ने इस प्रकरण को केवल एक केस के रूप में नहीं, बल्कि हर उस पिता के दर्द से जोड़ा जिसकी बेटी है। उन्होंने घटना को हृदय विदारक बताते हुए कहा कि इसे हल्के में लेने की कोई गुंजाइश नहीं थी।

**बांदा दुष्कर्म कांड**

- मजबूत पैरवी और सटीक रणनीति से जीता इंसाफ
- आरोपपत्र की खामियां दूर कर 'रेयरेस्ट ऑफ रेयर' साबित किया मामला
- शासकीय अधिवक्ताओं की मेहनत, संवेदनशील सोच का रहा योगदान
- फांसी की सजा के बाद अमित रैकवार अब नाम नहीं एक नंबर

अक्तूबर में केस सौंपे जाने के बाद से ही कमल सिंह गौतम ने दिन–रात इस पर काम किया। गहन अध्ययन के दौरान यह पाया गया कि पुलिस द्वारा चार्जशीट में दो गंभीर धाराओं को शामिल नहीं किया गया था। इनमें हाथ तोड़ने की धारा 117(2) और दुष्कर्मी की पहचान छुपाने के उद्देश्य से पीड़िता की जीभ काटने की धारा 118(2) शामिल थीं। अधिवक्ता ने विवेचक के साथ मिलकर इन खामियों को दूर कराया और अतिरिक्त चार्जशीट दाखिल करवाई, जिससे आरोपी को बचने का कोई अवसर न मिले। इसी सुदृढ़ कानूनी आधार पर मामले को 'रेयरेस्ट ऑफ रेयर' श्रेणी में रखकर मौत की सजा सुनिश्चित की जा सकी।

प्रकरण की मॉनिटरिंग कर रहे शासकीय अधिवक्ता विजय बहादुर सिंह परिहार ने बताया कि यह मामला उनके संज्ञान में आते ही वे भीतर तक हिल गए थे। ट्रायल के दौरान बच्ची की मानसिक स्थिति ठीक न होने और बोल न पाने जैसी व्यावहारिक कठिनाइयों के बावजूद, गवाहों और साक्ष्यों की सशक्त प्रस्तुति से आरोप सिद्ध किए गए।

उन्होंने इस फैसले के सामाजिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि ऐसे निर्णय समाज में कानून के प्रति विश्वास स्थापित करते हैं। यह अपराधियों को एक स्पष्ट संदेश देता है कि बुरे कर्मों का परिणाम अत्यंत कठोर होता है, जिससे वे अपराध करने से पूर्व सौ बार सोचें। इस ऐतिहासिक निर्णय ने न्याय व्यवस्था की दृढ़ता को साबित किया है। साथ ही समाज में यह संदेश जाता है कि जुर्म करने से पहले परिणाम को लेकर भी सचेत रहना जरूरी है।

**अमित अब कैदी नंबर 702 बैरक नंबर 9–ए में रहेगा**

बांदा में दुष्कर्म जैसे जघन्य अपराध के लिए मृत्युदंड की सजा सुनाए जाने के बाद अमित रैकवार की दुनिया पूरी तरह बदल गई है। एक समय अपने नाम से पहचाना जाने वाला अमित अब जेल में कैदी नंबर–2621702 के रूप में जाना जाएगा। बेहद दरिंदगी से मासूमियत को कुचलने वाले इस दुष्कर्मी की पहचान सलाखों के पीछे एक संख्या और एक बैरक तक सिमट गई है। अदालत से जिला जेल लाए जाने के बाद अमित रैकवार के व्यवहार में साफ बदलाव देखा गया। जेल सूत्रों के अनुसार, वह पूरी तरह गुमसुम रहा और किसी से कोई बात नहीं की। उसने रात का खाना भी नहीं खाया। जेल अधीक्षक अनिल कुमार ने बताया कि मृत्युदंड की सजा पाए कैदियों की मानसिक स्थिति अत्यंत संवेदनशील होती है।

इसी कारण, अमित रैकवार को अन्य बंदियों से अलग रखा गया है। सुरक्षा मानकों को ध्यान में रखते हुए उसे सामान्य बैरक नंबर पांच से हटाकर बैरक नंबर–9 ए भेज दिया गया है। यह बैरक विशेष निगरानी के तहत उन कैदियों के लिए आरक्षित है, जिन्हें मृत्युदंड की सजा मिली है। यहां कैदी की हर गतिविधि पर कड़ी नजर रखी जाती है। जेल डॉक्टरों की एक टीम उसकी मानसिक और शारीरिक स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए है।

मृत्युदंड की सजा प्राप्त कैदी को समाज से अलग कर एक विशेष व्यवस्था के तहत रखा जाता है। अमित रैकवार को भी इसी कड़ी निगरानी में रखा गया है। उसकी बैरक को विशेष रूप से सुरक्षित किया गया है ताकि किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना को रोका जा सके। कैदी की मानसिक स्थिरता बनाए रखना है।

**पीड़ित परिवार को डेमो चेक तो मिला पर धनराशि का इंतजार**

छह वर्षीय मासूम के माता–पिता ने बताया कि उनकी आर्थिक स्थित सही नहीं है। उन्हें सरकारी मदद का इंतजार अभी भी है। पीड़ित परिवार अपने रिश्तेदार के यहां रहकर बच्ची का इलाज कानपुर में करा रहे हैं। हैवानियत की शिकार हुई बच्ची के पिता ने बताया कि घटना के बाद उन्हें डेमो चेक तो मिली पर धनराशि अभी तक नहीं मिली है। हालांकि जज ने जिलाधिकारी के माध्यम से प्रमुख सचिव को आदेश दिए हैं कि बच्ची के इलाज का खर्च सरकार की ओर से दिया जाए। जिससे कुछ राहत मिली है। वहीं पिता ने बताया कि दुष्कर्मी के पिता द्वारा लगातार धमकी दी जा रही है। जिससे अब उनका गांव में रहना भी खतरों से भरा है। सरकार से नौकरी की दरकार है ताकि जीवन यापन कर सकें और बच्ची का इलाज करा सकें।

# कपसाड़ कांडः मां की हत्या व बेटी के अपहरण पर तनाव

## गिरफ्तारी तक अंतिम संस्कार से इनकार, अधिकारी मौके पर

**मेरठ,संवाददाता।** सरधना क्षेत्र के कपसाड़ गांव में अनुसूचित जाति की महिला सुनीता की हत्या और बेटी के अपहरण के बाद तनाव बना हुआ है। परिजनों ने आरोपियों की गिरफ्तारी तक अंतिम संस्कार से इनकार कर दिया है, गांव में भारी पुलिस बल तैनात है। थाना सरधना क्षेत्र के गांव कपसाड़ में अनुसूचित जाति की महिला सुनीता की हत्या और उसकी बेटी के अपहरण की घटना के बाद हालात बेहद तनावपूर्ण बने हुए हैं। स्थिति को देखते हुए प्रशासन ने गांव में भारी पुलिस बल तैनात कर दिया है और हर गतिविधि पर नजर रखी जा रही है।

**गिरफ्तारी तक अंतिम संस्कार से इनकार**

घटना से आक्रोशित परिजनों और ग्रामीणों ने साफ कह दिया है कि जब तक आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं होती और अपहृत नाबालिग बेटी को सकुशल बरामद नहीं किया जाता, तब तक महिला का अंतिम संस्कार नहीं किया जाएगा। इस फैसले के बाद गांव में माहौल और अधिक संवेदनशील हो गया है।

**प्रशासन और पुलिस ने संभाला मोर्चा**

सूचना मिलने पर पुलिस और प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे और परिजनों को समझाने–बुझाने का प्रयास किया, लेकिन वे अपनी मांगों पर अड़े हुए हैं। किसी भी अप्रिय घटना से निपटने के लिए अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है।

**दबिश जारी, तलाश में जुटीं टीमें**

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले को गंभीरता से लिया जा रहा है। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार दबिश दी जा रही है, जबकि अपहृत नाबालिग बेटी की तलाश के लिए कई टीमें गठित की गई हैं। प्रशासन का दावा है कि हालात सामान्य बनाए रखने के लिए हर संभव कदम उठाए जा रहे हैं। सरधना थाना क्षेत्र के गांव कपसाड़ में अनुसूचित जाति की महिला की हत्या और उसकी बेटी के अपहरण का मामला अब लखनऊ तक गूंज गया है। इस घटना को लेकर आजाद समाज पार्टी (आसपा) के अध्यक्ष और नगीना सांसद चंद्रशेखर आजाद के शुक्रवार को गांव पहुंचने की संभावना जताई जा रही है। पार्टी पदाधिकारियों के अनुसार चंद्रशेखर आजाद कपसाड़ पहुंचकर पीड़ित परिवार से मुलाकात करेंगे और उन्हें न्याय दिलाने के लिए संघर्ष का भरोसा देंगे। गांव में उनकी संभावित यात्रा को लेकर प्रशासन भी अलर्ट मोड पर है।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट करते हुए इस घटना को केवल आपराधिक वारदात नहीं बल्कि जातिगत हिंसा और महिलाओं की असुरक्षा का भयावह उदाहरण बताया। उन्होंने सरकार से दोषियों की तत्काल गिरफ्तारी की मांग की। चंद्रशेखर आजाद ने पोस्ट में कहा कि अपहृत बेटी की शीघ्र और सुरक्षित बरामदगी सुनिश्चित की जाए। साथ ही पीड़ित परिवार को सरकारी सुरक्षा और उचित मुआवजा दिया जाए, ताकि उन्हें न्याय मिल सके।

**संगीत सोम ने जताया दुख**

यह घटना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण और नारी सम्मान एवं सुरक्षा के लिए गम्भीर चेतावनी है। दोषी कोई भी हो, उन्हें सख्त से सख्त दंड मिलेगा। पीड़ित परिवार को शासन स्तर पर हर संभव मदद दी जाएगी। –**संगीत सोम, पूर्व विधायक**

# असिस्टेंट प्रोफेसर भर्ती: बड़े अफसरों तक पहुंची पेपर लीक मामले की आंच, गोपनीय सहायक के संबंध बड़े अफसरों से

**लखनऊ,संवाददाता।** असिस्टेंट प्रोफेसर भर्ती परीक्षा के पेपर लीक मामले में एसटीएफ गहराई से जांच कर रही हैं। जांच में कई बड़े अफसरों पर भी आंच आ रही है। एक बड़े अफसर पर विशेष तौर पर शक गहराया है। असिस्टेंट प्रोफेसर भर्ती परीक्षा पेपर लीक मामले में चौंकाने वाले खुलासे हो रहे हैं। जांच में सामने आया है कि पेपर लीक का मास्टरमाइंड तत्कालीन आयोग अध्यक्ष प्रो. कीर्ति पांडेय का गोपनीय सहायक महबूब अली था, जिसके तार कई बड़े अफसरों और कर्मचारियों तक जुड़े हो सकते हैं। एसटीएफ इस पूरे नेटवर्क की गहन जांच कर रही है।

एसटीएफ अब तक महबूब अली, बैजनाथ पाल और विनय पाल के खिलाफ चार्जशीट दाखिल कर चुकी है, लेकिन नए सुराग मिलने के कारण विवेचना जारी है। सूत्रों के मुताबिक महबूब अली से बरामद मोबाइल और डिजिटल डाटा के विश्लेषण में कई वरिष्ठ अधिकारियों से जुड़े अहम साक्ष्य सामने आए हैं। एक बड़े अफसर पर विशेष तौर पर शक गहराया है। जिनके खिलाफ पुख्ता साक्ष्य मिलेंगे, उनके विरुद्ध एसटीएफ कार्रवाई करेगी। दो से तीन और लोगों पर कार्रवाई की आशंका जताई जा रही है।

**यह है पूरा मामला** : गौरतलब है कि 16 व 17 अप्रैल 2025 को परीक्षा आयोजित हुई थी। 20 अप्रैल को एसटीएफ ने गोंडा के लाल बहादुर शास्त्री कॉलेज के सहायक प्रोफेसर बैजनाथ पाल, उसके भाई विनय पाल और महबूब अली को गिरफ्तार किया था। जांच पूरी होने के बाद सरकार ने भर्ती परीक्षा रद्द कर दी।

**जला दी थीं प्रश्नपत्र की कॉपियां**

जांच में यह भी सामने आया है कि आरोपियों ने पेपर लीक के बाद सुबूत मिटाने की कोशिश की। जिन अभ्यर्थियों को प्रश्नपत्रों की फोटो कॉपी दी गई थी, उनसे वापस लेकर उन्हें जला दिया गया, ताकि कोई भौतिक साक्ष्य न बचे। हालांकि मोबाइल फोन में मौजूद डिजिटल सबूतों के आधार पर एसटीएफ ने पूरे मामले का खुलासा किया। महबूब अली संविदा पर नियुक्त था, इसके बावजूद उसे अत्यंत संवेदनशील जिम्मेदारी सौंपी गई थी। इसी का उसने दुरुपयोग किया। इस पूरे प्रकरण के बाद तत्कालीन आयोग अध्यक्ष की भूमिका पर भी सवाल उठ रहे हैं, क्योंकि निगरानी में हुई चूक के चलते पूरी भर्ती परीक्षा रद्द करनी पड़ी। सूत्रों के अनुसार उनकी भूमिका की भी जांच की जा रही है।

## 'हमें रोजी कौन देता है... अल्लाह ताला' शिक्षिका के सवाल का बच्चों ने दिया जवाब

**आजमगढ़,संवाददाता।** जिले में सीबीएसई से मान्यता प्राप्त एक स्कूल का वीडियो सामने आया है। जिसमें शिक्षिका द्वारा बच्चों से मजहबी सवाल–जवाब करने का दृश्य है। मामले को लेकर डीएम ने जांच कर कार्रवाई की बात कही है। आजमगढ़ जिले के एक स्कूल का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें छोटे–छोटे बच्चों को मजहबी सवाल–जवाब सिखाते हुए सुना जा सकता है। वीडियो में स्कूल ड्रेस पहने पांच से छह साल के बच्चे खड़े नजर आ रहे हैं, जबकि शिक्षिका का चेहरा दिखाई नहीं दे रहा है, लेकिन उनकी आवाज स्पष्ट रूप से रिकॉर्ड हुई है।

**वीडियो में बच्चों से पूछे जा रहे ये सवाल**

वीडियो में शिक्षिका बच्चों से पूछती हैं कि तुम कौन हो, तुम्हारा मजहब क्या है, हमें रोजी कौन देता है, जमीन, आसमान, चांद और सूरज किसने बनाया। इन सभी सवालों के जवाब में बच्चे "मुसलमान" और "अल्लाह ताला" कहते हुए सुनाई दे रहे हैं। इसके अलावा वीडियो में पैगंबर हजरत मोहम्मद साहब, कुरान शरीफ के नाजिल होने, रमजान और 'इकरा' जैसे धार्मिक विषयों से जुड़े सवाल–जवाब भी कराए जा रहे हैं।

**सपा नेता से कनेक्शन**

बताया जा रहा है कि यह वीडियो आजमगढ़ पब्लिक स्कूल का है, जिसकी मान्यता सीबीएसई बोर्ड से है। स्कूल रानी की सराय थाना क्षेत्र के चेकपोस्ट के पास कोटिला इलाके में स्थित है। स्कूल का संबंध सपा के विधान परिषद सदस्य शाह आलम उर्फ गुड्डू जमाली से बताया जा रहा है, जबकि स्कूल के डायरेक्टर नोमान बताए जा रहे हैं। वीडियो सामने आने के बाद इसे लेकर तरह–तरह की चर्चाएं शुरू हो गई हैं। कुछ लोग इसे शिक्षा के नाम पर मजहबी शिक्षा देने का मामला बता रहे हैं, जबकि कुछ लोग इसकी निष्पक्ष जांच की मांग कर रहे हैं। डीएम रविंद्र कुमार ने मामले की जांच कर आवश्यक कार्रवाई करने की बात कही है।

# दुनिया ग्लोबल वार्मिंग से परेशान, इलेक्ट्रिक व्हीकल ही भविष्य : योगी आदित्यनाथ

**मुख्यमंत्री और लखनऊ के सांसद राजनाथ सिंह ने सिंदूर और रुद्राक्ष के पौधे भी लगाए और अशोक लेलैंड प्लांट का दौरा भी किया ...**
**लखनऊ में सीएम योगी आदित्यनाथ और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने किया अशोक लेलैंड के प्लांट का उद्घाटन**

**सिंदूर और रुद्राक्ष के पौधे भी लगाए और प्लांट का दौरा भी किया**
**भारी उद्योग एवं इस्पात मंत्री एचडी कुमारस्वामी भी कार्यक्रम में रहे**

**लखनऊ,संवाददाता।** देश के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के साथ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को लखनऊ के सरोजनी नगर क्षेत्र में बड़े वाहन की निर्माता कंपनी अशोक लेलैंड के इलेक्ट्रिक व्हीकल प्लांट का उद्घाटन किया। उनके साथ भारी उद्योग एवं इस्पात मंत्री एचडी कुमारस्वामी भी थे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री और लखनऊ के सांसद राजनाथ सिंह ने सिंदूर और रुद्राक्ष के पौधे भी लगाए और प्लांट का दौरा भी किया। अशोक लीलैंड के इस प्लांट में इलेक्ट्रिक वाहनों का उत्पादन किया जाएगा। इस प्लांट में इलेक्ट्रिक बसों व ट्रकों का निर्माण किया जाएगा। यह राज्य का पहला बड़ा इलेक्ट्रिक व्हीकल प्लांट है। प्लांट का भूमि पूजन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 20 फरवरी 2025 को किया था। स्कूटर इंडिया की भूमि पर स्थापित इस प्लांट में पहले चरण में 200 ईवी बनाने का लक्ष्य रखा गया है।

अशोक लेलैंड कंपनी के नवीन विनिर्माण संयंत्र के उद्घाटन के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने निर्माता कंपनी को शुभकामना देने के साथ आश्वस्त किया कि सरकार उनको व्यवसाय में पूरा सहयोग देगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि देश में इलेक्ट्रिक वाहन मैन्युफैक्चरिंग उभरता हुआ सेक्टर है। इलेक्ट्रिक व्हीकल ही भविष्य है। इलेक्ट्रिक वाहन को सरकार आगे बढ़ा रही है, क्योंकि दुनिया ग्लोबल वार्मिंग से परेशान है।

उन्होंने कहा कि इलेक्ट्रिक व्हीकल सेक्टर में रोजगार की बड़ी संभावनाएं हैं। उत्तर प्रदेश में तेजी से विकास हुआ और अच्छा माहौल मिलने से अब निवेश आ रहा है। यूपी में अब परिवर्तन दिखाई दे रहा। आज की यूपी उपद्रव नहीं उत्सव का प्रदेश है। उन्होंने कहा कि देश का 55 प्रतिशत एक्सप्रेस–वे उत्तर प्रदेश में है। उत्तर प्रदेश सरकार की साफ नीयत और स्पष्ट सोच से प्रदेश को अब नई पहचान मिली है। विजन 2047 हर भारतीय का संकल्प वर्ष है।

अशोक लेलैंड के इलेक्ट्रिक वाहन मैन्युफैक्चरिंग प्लांट के उद्घाटन के बाद रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, केंद्रीय मंत्री एचडी कुमारस्वामी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने फैक्ट्री में पहुंचकर ई–बसों का अंदर से निरीक्षण किया। राजनाथ सिंह ने ई–बस में सफर कर परियोजना का जायजा लिया। उनके साथ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, केंद्रीय मंत्री एचडी कुमारस्वामी, डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक, कैबिनेट मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी, परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह, भाजपा विधायक राजेश्वर सिंह भी मौजूद थे। सरोजनी नगर में 70 एकड़ में बना अशोक लेलैंड का ईवी प्लांट रिकॉर्ड 16 महीने में तैयार हुआ है। हिंदूजा ग्रुप का यह इलेक्ट्रिक वाहन मैन्युफैक्चरिंग प्लांट आधुनिक इन्फ्रास्ट्रक्चर से लैस है और भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखकर डिजाइन किया गया है। सरकार और कंपनी ने प्लांट को उत्तर प्रदेश के लिए बड़ी औद्योगिक उपलब्धि बताया है।

# वाराणसी में नियमों का उल्लंघन कर बनाई गई थी गंगा पार टेंट सिटी एनजीटी ने लगाया तगड़ा जुर्माना

**एनजीटी ने वाराणसी टेंट सिटी को पर्यावरण नियमों का उल्लंघन पाया।**
**गंगा प्रदूषण और जीव–जंतुओं को नुकसान पहुंचाने का आरोप सिद्ध।**
**कंपनियों पर 17 लाख रुपये का पर्यावरणीय जुर्माना लगाया गया।**

**वाराणसी,संवाददाता।** नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) ने स्पष्ट किया है कि वाराणसी में गंगा किनारे स्थापित टेंट सिटी 2023 में पर्यावरण नियमों का उल्लंघन करते हुए बनाई और चलाई गई थी। एनजीटी ने गुरुवार को गंगा पार रेती में टेंट सिटी के संबंध में एक याचिका पर सुनवाई की, जिसमें आरोप लगाया गया था कि यह टेंट सिटी बिना किसी मंजूरी के बनाई गई थी और इसके कारण गंगा का प्रदूषण बढ़ा है। इसके साथ ही, यह पेड़–पौधों और जीवों को भी नुकसान पहुंचा रही थी। एनजीटी की बेंच, जिसमें चेयरपर्सन प्रकाश श्रीवास्तव और विशेषज्ञ सदस्य ए सेंथिल वेल शामिल थे, ने अपनी फाइंडिंग में कहा कि प्रतिवादी प्रवेग कम्युनिकेशन इंडिया लिमिटेड और निरान द टेंट सिटी ने पर्यावरण नियमों और गंगा (कायाकल्प, संरक्षण और प्रबंधन) प्राधिकरणों के आदेशों का उल्लंघन करते हुए टेंट सिटी स्थापित की थी। एनजीटी ने यह भी नोट किया कि उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (यूपीपीसीबी) ने नवंबर 2023 में टेंट सिटी के संचालन के लिए लगभग 17 लाख रुपये का पर्यावरणीय मुआवजा लगाया था, जो कि ग्रीन नियमों के उल्लंघन के कारण था।

ट्रिब्यूनल ने यूपीपीसीबी और उत्तर प्रदेश सरकार के पर्यावरण विभाग को निर्देश दिया कि वे तीन माह के भीतर जुर्माना वसूल करें। इसके साथ ही, संबंधित राज्य अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने का आदेश दिया गया कि गंगा या उसकी सहायक नदियों के किनारे ऐसी किसी भी टेंट सिटी की अनुमति न दी जाए। वाराणसी विकास प्राधिकरण ने गंगा पार टेंट सिटी के लिए दो कंपनियों के साथ अनुबंध किया था, जिसमें बरसात के अलावा अन्य महीनों में इसके संचालन की योजना बनाई गई थी। 2023 में चेत सिंह घाट के सामने टेंट सिटी की स्थापना की गई थी। इसके मलजल के गंगा में जाने और अन्य पर्यावरणीय मुद्दों को लेकर शिकायतें उठने लगीं, जिसके बाद मामला एनजीटी तक पहुंचा। याचिकाकर्ता ने वकील सौरभ तिवारी के माध्यम से पर्यावरणीय उल्लंघनों का दावा करते हुए एक याचिका दायर की। एनजीटी ने आरोपों की पुष्टि के लिए मार्च 2023 में एक सात सदस्यीय संयुक्त समिति का गठन किया। इस समिति ने कई पर्यावरणीय उल्लंघनों का खुलासा किया, जिसके बाद संबंधित कंपनियों पर पर्यावरणीय मुआवजा लगाया गया।

टेंट सिटी का संचालन 15 जनवरी से 31 मई 2023 तक किया गया था। एनजीटी में मामला लंबित रहने के कारण शासन ने अगले वर्ष टेंट सिटी की स्थापना से हाथ खींच लिए हैं। यह स्पष्ट है कि पर्यावरणीय नियमों का पालन न करने के कारण न केवल गंगा का प्रदूषण बढ़ा है, बल्कि इससे स्थानीय पारिस्थितिकी पर भी नकारात्मक प्रभाव पड़ा है। इस मामले ने यह भी दर्शाया है कि पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता और नियमों का पालन कितना आवश्यक है। यदि इस तरह के उल्लंघनों को समय पर रोका नहीं गया, तो इसके गंभीर परिणाम हो सकते हैं। वाराणसी की गंगा, जो न केवल धार्मिक बल्कि सांस्कृतिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है, की सुरक्षा के लिए ठोस कदम उठाने की आवश्यकता है। एनजीटी के निर्णय ने एक महत्वपूर्ण संदेश दिया है कि पर्यावरण की सुरक्षा सर्वोपरि है और इसे सुनिश्चित करने के लिए सभी संबंधित पक्षों को जिम्मेदारी से कार्य करना चाहिए।

# बहन ने भाई को ही बना दिया कातिल

**पत्नी, भाई और प्रेमी ने मिलकर पति को मारा। शराब पिलाकर जंगल में गला घोंटकर हत्या की। हादसा दिखाने की कोशिश नाकाम, तीनों गिरफ्तार।**

**संवाददाता, संभल।** जनपद में सामने आए एक सनसनीखेज हत्याकांड का पुलिस ने पर्दाफाश करते हुए पति की हत्या के पीछे पत्नी, उसके भाई और प्रेमी की साजिश को बेनकाब किया है। यह मामला न केवल अवैध संबंधों और पारिवारिक कलह से जुड़ा है, बल्कि इसमें हत्या के बाद शव को ठिकाने लगाने और घटना को हादसा दिखाने की पूरी योजना भी बनाई गई थी।

पोस्टमार्टम रिपोर्ट में हत्या की पुष्टि होने के बाद पुलिस ने जब कड़ाई से जांच की तो पूरे षड्यंत्र की परतें खुलती चली गईं।

दरअसल, दो जनवरी को जुनावई थाना क्षेत्र के अंतर्गत गांव पूरन पट्टी के जंगल में एक युवक का शव लावारिस हालत में बरामद हुआ था। उसकी तस्वीर को इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित करने के बाद शव की शिनाख्त सनी निवासी मोहल्ला ओढ़पुरा थाना हाथरस गेट जनपद हाथरस के रूप में उसकी पत्नी नेहा गौतम और मृतक के भाई महादेव ने की।

## इस साल खरमास का समापन 16 जनवरी को होगा

**खरमास 16 जनवरी को समाप्त, विवाह 4 फरवरी से शुरू।**
**शुक्र ग्रह अस्त होने से विवाह मुहूर्त में देरी हुई।**
**4 फरवरी से 15 मार्च तक रहेंगे शुभ विवाह लग्न।**

**15 मार्च तक विवाह के लिए कई शुभ मुहूर्त उपलब्ध होंगे, जिससे दूल्हा–दुल्हन के परिवारों को अपनी इच्छानुसार तिथि चुनने में सुविधा होगी। इस वर्ष की विशेषता यह है कि पहले की तुलना में विवाह समारोहों में अधिक समय का अंतराल है, जिससे परिवारों को अपनी तैयारियों में भी समय मिलेगा। इस दौरान लोग विवाह की तैयारियों के साथ–साथ अन्य धार्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों की भी योजना बना सकते हैं।**

**वाराणसी,संवाददाता।** पिछले वर्षों में मकर संक्रांति के दिन खरमास समाप्त हो जाता था और इसके अगले दिन से वैवाहिक लग्नों की शुरुआत हो जाती थी। लेकिन इस वर्ष ग्रहों, नक्षत्रों, वार और करण की स्थिति कुछ अलग है। इस बार खरमास समाप्त होने के 20 दिन बाद ही बैंडबाजा, बरात और शादी के लड्डुओं का क्रम शुरू हो सकेगा। काशी के ज्योतिषियों का मानना है कि शुक्र ग्रह के अस्त होने के कारण ऐसा हो रहा है। बीएचयू के ज्योतिष विभाग के अध्यक्ष प्रो. विनय कुमार पांडेय सहित कई अन्य ज्योतिषियों ने बताया कि इस समय शुक्र ग्रह अस्त चल रहे हैं। पिछले वर्षों में खरमास समाप्ति के साथ ही शुक्रोदय हो जाया करता था, जिससे वैवाहिक लग्नों के मुहूर्त तुरंत आरंभ हो जाते थे। लेकिन इस बार शुक्रोदय चार फरवरी को होगा, और उसी दिन से वैवाहिक लग्नों के मुहूर्त की शुरुआत होगी। चार फरवरी से लेकर 15 मार्च तक वैवाहिक लग्नों की धूम रहेगी।

इस वर्ष खरमास का समापन 16 जनवरी को होगा, जिसके बाद 20 दिन का अंतराल रहेगा। इस दौरान विवाह समारोहों की तैयारी करने वाले परिवारों को थोड़ा इंतजार करना पड़ेगा। ज्योतिषियों के अनुसार, शुक्र ग्रह का अस्त होना विवाह के लिए शुभ नहीं माना जाता है, इसलिए इस समय वैवाहिक समारोहों का आयोजन नहीं किया जाएगा। इस स्थिति के कारण, जो लोग इस समय विवाह करने की योजना बना रहे थे, उन्हें अब चार फरवरी के बाद ही अपने कार्यक्रम तय करने होंगे। ज्योतिषियों का कहना है कि चार फरवरी से लेकर 15 मार्च तक विवाह के लिए कई शुभ मुहूर्त उपलब्ध होंगे, जिससे दूल्हा–दुल्हन के परिवारों को अपनी इच्छानुसार तिथि चुनने में सुविधा होगी। इस वर्ष की विशेषता यह है कि पहले की तुलना में विवाह समारोहों में अधिक समय का अंतराल है, जिससे परिवारों को अपनी तैयारियों में भी समय मिलेगा। इस दौरान लोग विवाह की तैयारियों के साथ–साथ अन्य धार्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों की भी योजना बना सकते हैं।

इस वर्ष खरमास का समापन 16 जनवरी को होगा, किंतु वैवाहिक लग्नों का आरंभ चार फरवरी से होगा। यह स्थिति विवाह समारोहों की योजना बनाने वाले परिवारों के लिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि उन्हें अब अपने कार्यक्रमों को नए सिरे से तय करना होगा। इस वर्ष का यह परिवर्तन न केवल ज्योतिषीय दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण है, बल्कि यह सामाजिक और सांस्कृतिक दृष्टिकोण से भी एक नई दिशा प्रदान करेगा। परिवारों को इस समय का उपयोग अपनी तैयारियों को बेहतर बनाने के लिए करना चाहिए, ताकि चार फरवरी के बाद विवाह समारोहों में कोई कमी न रह जाए। इस वर्ष का खरमास और वैवाहिक लग्नों का समय एक नई चुनौती और अवसर दोनों लेकर आया है।

# सुप्रीम कोर्ट ने अवारा कुत्तों के मामले में की सुनवाई

## आवारा कुत्तों से जुड़े मामले पर सुप्रीम कोर्ट– कैसे पता चलेगा, कुत्ता काटने के मूड में है या नहीं

**नई दिल्ली,एजेंसी ।** सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को आवारा कुत्तों के मामले पर सुनवाई की। इस दौरान सुप्रीम कोर्ट ने कई अहम टिप्पणियां कीं। वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने दलील देते हुए कहा कि सभी कुत्तों को पकड़ना समाधान नहीं है। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने टिप्पणी करते हुए कहा कि रोकथाम हमेशा इलाज से बेहतर होती है। सिब्बल ने दलील देते हुए कहा कि सभी कुत्तों को शेल्टर में रखना संभव नहीं है। आर्थिक रूप से भी व्यवहार्य नहीं है। इसे वैज्ञानिक तरीके से करना होगा। समस्या यह है कि कानूनों का पालन नहीं किया जा रहा है। आवारा कुत्तों से जुड़े मामले में दाखिल याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को सुनवाई के दौरान एक वकील के बयान पर बड़ी टिप्पणी की। सुप्रीम कोर्ट ने अधिवक्ता वंदना जैन की एक दलील पर टिप्पणी की, 'जब हम पशु प्रेमियों की बात करते हैं, तो इसमें सभी जानवर शामिल होते हैं। मैं अपने घर में कोई जानवर रखना चाहता हूं या नहीं, यह मेरा विवेक है।'

**'कल सोसाइटी में कोई भैंस ले आएगा, तो क्या करेंगे ?' :सुप्रीम कोर्ट**

सुप्रीम कोर्ट ने टिप्पणी करते हुए कहा, 'यही बात गेटेड कम्युनिटी पर भी लागू होती है। गेटेड कम्युनिटी में कुत्ते को घूमने देना चाहिए या नहीं, यह समुदाय को तय करना होगा। मान लीजिए, 90 प्रतिशत निवासियों को लगता है कि यह बच्चों के लिए खतरनाक होगा, लेकिन 10 फीसदी कुत्ते रखने पर जोर देते हैं। कोई कल भैंस ला सकता है। वे कह सकते हैं कि मुझे भैंस का दूध चाहिए।'

**कुत्तों को लेकर गेटेड कम्युनिटी कर सकें फैसला, होना चाहिए प्रावधान :सुप्रीम कोर्ट**

सुप्रीम कोर्ट ने टिप्पणी करते हुए कहा कि ऐसा कोई प्रावधान होना चाहिए जिसके तहत गेटेड कम्युनिटी मतदान के जरिए फैसला ले सके। वकील वंदना जैन ने कहा, 'हम कुत्तों के खिलाफ नहीं हैं। हमें कुत्तों के खतरे और सार्वजनिक सुरक्षा को देखना होगा। 6.2 करोड़ कुत्तों की आबादी है और स्थिति नियंत्रण से बाहर होती जा रही है।' मामले की सुनवाई कल भी जारी रहेगी।

**सुप्रीम कोर्ट ने की अहम टिप्पणियां**

सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने याचिकाकर्ताओं की दलीलों पर सवाल करते हुए कहा, 'क्या कुत्तों को यह सिखाया जा सकता है कि वे किसी को न काटें? किसी को कैसे पता चलेगा कि कौन सा कुत्ता काटने के मूड में है या नहीं?' सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि पशुप्रेमियों को शेल्टर में मौजूद कुत्तों को खाना खिलाना चाहिए। 18 दिसंबर 2025 को सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने कड़ा रुख अपनाया। दिल्ली नगर निगम की ओर से बनाए गए कुछ नियमों को 'अमानवीय' बताने वाली आपत्ति पर प्रतिक्रिया देते हुए अदालत ने कहा था कि अगली सुनवाई में एक वीडियो चलाया जाएगा और पूछा जाएगा कि 'मानवता आखिर है क्या'।

## भारत–इस्राइल के प्रधानमंत्रियों की बातचीत

### रक्षा और आतंकवाद से जुड़े मुद्दों पर चर्चा

**नई दिल्ली,एजेंसी।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस्राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से बात की। पीएम मोदी ने कहा कि बातचीत के दौरान आतंकवाद से और अधिक दृढ़ संकल्प के साथ लड़ने के साझा संकल्प की पुष्टि की। जानिए दोनों के बीच क्या बात हुई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस्राइली समकक्ष बेंजामिन नेतन्याहू के साथ बात की। उनके साथ हुई वार्ता का जिक्र करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि आगामी वर्ष में भारत–इस्राइल रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करेंगे। नेतन्याहू के साथ दोनों देशों के रक्षा संबंधों को मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा हुई।

**पीएम ने दी जानकारी**

इस बातचीत को लेकर पीएम मोदी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' जानकारी दी। उन्होंने एक पोस्ट में लिखा, "अपने दोस्त, प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से बात करके खुशी हुई। उन्हें और इजराइल के लोगों को नए साल की शुभकामनाएं दीं। हमने आने वाले साल में भारत–इजराइल रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा की। साथ ही हमने क्षेत्रीय स्थिति पर भी विचारों का आदान–प्रदान किया और आतंकवाद से ज्यादा मजबूती से लड़ने के अपने साझा संकल्प को दोहराया।

# 'सोमनाथ से सबसे अधिक नफरत पंडित नेहरू को थी'

## इतिहास के दस्तावेज साझा कर भाजपा ने किया दावा

**नई दिल्ली,एजेंसी।** भाजपा प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू पर सोमनाथ मंदिर के जीर्णोद्धार का विरोध करने का आरोप लगाया है। उन्होंने दावा किया कि नेहरू ने पाकिस्तान को खुश करने के लिए मंदिर के इतिहास को नकारा और तत्कालीन राष्ट्रपति को भी उद्घाटन समारोह में जाने से रोका था। यह बयान प्रधानमंत्री मोदी की आगामी सोमनाथ यात्रा से ठीक पहले आया है।

भारतीय जनता पार्टी के प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने बुधवार को सोमनाथ मंदिर के जीर्णोद्धार को लेकर देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के रुख की कड़ी आलोचना की है।

त्रिवेदी ने आरोप लगाया कि महमूद गजनवी और अलाउद्दीन खिलजी जैसे ऐतिहासिक आक्रांताओं ने तो मंदिर को केवल भौतिक रूप से लूटा था, लेकिन नेहरू के मन में भगवान सोमनाथ के प्रति सबसे ज्यादा घृणा थी।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट साझा करते हुए त्रिवेदी ने नेहरू द्वारा कथित तौर पर पाकिस्तान के तत्कालीन प्रधानमंत्री लियाकत अली खान को लिखे गए एक पत्र को साझा किया। त्रिवेदी ने दावा किया कि, इस पत्र में नेहरू ने खान को 'प्रिय नवाबजादा' कहकर संबोधित किया और सोमनाथ के दरवाजों की कथा को पूरी तरह झूठा बताया।

भाजपा नेता का तर्क है कि यह पत्र एक प्रकार का आत्मसमर्पण था, जिससे यह संकेत मिलता है कि नेहरू ने भारत की सभ्यतागत विरासत की रक्षा करने के बजाय मंदिर के पुनर्निर्माण को कम महत्व देने की कोशिश की। उन्होंने आरोप लगाया कि पाकिस्तान के दुष्प्रचार का सामना करने के स्थान पर नेहरू ने पड़ोसी देश को खुश करने के लिए हिंदू ऐतिहासिक प्रतीकों को कमतर आंका। त्रिवेदी ने दावा किया कि नेहरू ने सोमनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण का पूर्णतः विरोध किया था।

उन्होंने तत्कालीन राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद, उपराष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन और मंत्रिमंडल के सहयोगियों को पत्र लिखकर मंदिर के पुनर्निर्माण की आवश्यकता पर प्रश्न उठाए थे और उन्हें उद्घाटन समारोह में शामिल न होने की सलाह दी थी।

भाजपा नेता ने कहा कि नेहरू ने कथित तौर पर सभी मुख्यमंत्रियों को दो बार पत्र लिखकर शिकायत की थी कि मंदिर निर्माण से विदेशों में भारत की छवि धूमिल हुई है। इसके अतिरिक्त, उन्होंने तत्कालीन सूचना एवं प्रसारण मंत्री आर.आर. दिवाकर को पत्र लिखकर प्राण–प्रतिष्ठा समारोह के प्रचार–प्रसार को कम करने का आग्रह किया था और इसे आडंबरपूर्ण बताया था। यह राजनीतिक घटनाक्रम ऐसे समय में सामने आया है जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 11 जनवरी को 'सोमनाथ स्वाभिमान पर्व' समारोह में भाग लेने के लिए सोमनाथ मंदिर जाने वाले हैं।

यह पर्व 8 जनवरी से 11 जनवरी तक मनाया जाएगा। इस दौरान भारत की आध्यात्मिक विरासत और सांस्कृतिक गौरव को प्रदर्शित करने वाले कई कार्यक्रम आयोजित होंगे।

# 20 अफसरों के तबादले, लखनऊ कमिश्नरेट से अमित हटाए गए, अपर्णा बनीं संयुक्त पुलिस आयुक्त

**लखनऊ,संवाददाता।** यूपी में 20 आईपीएस अफसरों के तबादले किए गए हैं। शासन ने बुधवार को तबादले किए हैं। लखनऊ कमिश्नरेट से अमित वर्मा हटाए गए, जबकि अपर्णा कुमार संयुक्त पुलिस आयुक्त बनाई गईं। वहीं, केंद्रीय प्रतिनियुक्ति से वापस आए किरन एस को लखनऊ रेंज का आईजी बनाया गया है। लिस्ट में आईपीएस अफसर रामकुमार का नाम है, जिन्हें अपर पुलिस महानिदेशक लॉजिस्टिक्स बनाया गया है। वहीं, आईपीएस राजकुमार को अपर पुलिस महानिदेशक मानवाधिकार की जिम्मेदारी सौंपी गई है। आईपीएस ज्योति नारायण को अपर पुलिस महानिदेशक प्रयागराज जोन बनाया गया है।

आईपीएस डॉ. संजीव गुप्ता को अपर पुलिस महानिदेशक, यूपी पुलिस मुख्यालय की जिम्मेदारी दी गई। प्रशांत कुमार को अपर पुलिस महानिदेशक प्रशासन, तरुण गाबा को अपर पुलिस महानिदेशक सुरक्षा, आशुतोष कुमार को अपर पुलिस महानिदेशक यूपी पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

| नाम | नई जिम्मेदारी |
|---|---|
| रामकुमार | एडीजी लॉजिस्टिक्स |
| राजकुमार | एडीजी मानवाधिकार |
| ज्योति नारायण | एडीजी, प्रयागराज जोन |
| डॉ. संजीव गुप्ता | एडीजी यूपी पुलिस मुख्यालय, लखनऊ |
| प्रशांत कुमार | एडीजी प्रशासन |
| तरुण गाबा | एडीजी सुरक्षा उत्तर प्रदेश |
| आशुतोष कुमार | एडीजी पुलिस भर्ती बोर्ड |
| अपर्णा कुमार | संयुक्त पुलिस आयुक्त पुलिस कमिश्नरेट, लखनऊ |
| राजेश मोदक | आईजी स्थापना, लखनऊ |
| आरके भारद्वाज | आईजी रेलवे, लखनऊ |
| किरण एस | आईजी, लखनऊ रेंज |
| आनंद कुलकर्णी | आईजी एंटी करप्शन, लखनऊ |
| अमित वर्मा | आईजी ईओडब्ल्यू, लखनऊ |
| अखिलेश निगम | आईजी सीआईडी, लखनऊ |
| एन कोलांची | आईजी रेलवे, प्रयागराज |
| राजीव मल्होत्रा | आईजी यूपी एसएफआईएस, लखनऊ |
| रोहन पी कनय | डीआईजी विशेष जांच, लखनऊ |
| मोहम्मद इमरान | डीआईजी भवन एवं कल्याण, लखनऊ |
| संतोष कुमार मिश्र | डीआईजी पीटीएस, जालौन |
| विजय ढुल | अपर पुलिस आयुक्त, प्रयागराज पुलिस कमिश्नरेट |

# दिव्यांगजन सशक्तीकरण पर योगी सरकार का विशेष फोकस...स्वैच्छिक संस्थाओं को मिलेगा अनुदान

**लखनऊ,संवाददाता।** योगी सरकार ने दिव्यांगजनों के सर्वांगीण पुनर्वासन के लिए स्वैच्छिक संस्थाओं को अनुदान देने की योजना लागू की है। 21 प्रकार की दिव्यांगताओं के लिए पारदर्शी प्रक्रिया से सहायता दी जाएगी, जिससे शिक्षा, कौशल और रोजगार के समान अवसर मिल सकें। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार ने दिव्यांगजनों के सर्वांगीण पुनर्वासन को नई गति देने के लिए महत्वपूर्ण पहल की है। सरकार का लक्ष्य है कि दिव्यांगजन शिक्षा, कौशल विकास, स्वास्थ्य सेवाओं और रोजगार के अवसरों में समान भागीदारी प्राप्त कर सकें और समाज की मुख्यधारा से जुड़ते हुए आत्मनिर्भर जीवन जी सकें।

इसी क्रम में "दिव्यांगजन के सर्वांगीण पुनर्वासन हेतु स्वैच्छिक संस्थाओं को सहायता योजना" लागू की गई है, जिसके तहत पात्र स्वैच्छिक संस्थाओं को अनुदान प्रदान किया जाएगा। इस योजना के अंतर्गत दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम, 2016 में परिभाषित 21 प्रकार की दिव्यांगताओं के लिए सहायता प्रदान की जाएगी, जबकि मानसिक मंदित एवं मानसिक रूप से रुग्ण दिव्यांगजन इस योजना के दायरे से बाहर रखे गए हैं। सरकार का उद्देश्य विभिन्न श्रेणियों के दिव्यांग बच्चों और युवाओं को प्रारंभिक हस्तक्षेप, शिक्षा, प्रशिक्षण और कौशल विकास की सुविधाएं उपलब्ध कराकर उनके पुनर्वासन की एक सुदृढ़ व्यवस्था तैयार करना है।

**सरकार सामाजिक सहभागिता को बढ़ावा दे रही**

प्रदेश के पिछड़ा वर्ग कल्याण एवं दिव्यांगजन सशक्तीकरण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) नरेन्द्र कश्यप ने दिव्यांगजनों के पुनर्वासन से जुड़ी योजनाओं को जमीनी स्तर तक प्रभावी बनाने के निर्देश देते हुए कहा कि योगी सरकार की प्राथमिकता है कि दिव्यांगजन शिक्षा, कौशल, स्वास्थ्य और रोजगार के प्रत्येक क्षेत्र में समान अवसर प्राप्त कर आत्मनिर्भर बन सकें।

मंत्री नरेन्द्र कश्यप ने बताया कि दिव्यांगजनों के सर्वांगीण पुनर्वासन हेतु स्वैच्छिक संस्थाओं को सहायता प्रदान करने की योजना के माध्यम से प्रदेश सरकार सामाजिक सहभागिता को बढ़ावा दे रही है।

इस योजना के अंतर्गत दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम, 2016 में उल्लिखित 21 प्रकार की दिव्यांगताओं से प्रभावित व्यक्तियों के लिए संचालित पुनर्वासन परियोजनाओं को अनुदान दिया जा रहा है, जिससे दिव्यांग बच्चों और युवाओं को प्रारंभिक हस्तक्षेप, शिक्षा, प्रशिक्षण एवं कौशल विकास की समुचित सुविधाएं मिल सकें।

उन्होंने बताया कि मानसिक मंदित एवं मानसिक रूप से रुग्ण दिव्यांगजनों को छोड़कर अन्य दिव्यांग वर्गों के लिए यह योजना प्रभावी रूप से लागू की जा रही है।

# सारा अर्जुन की 'धुरंधर'

**एंटरटेनमेंट डेस्क।** आदित्य धर की जासूसी थ्रिलर एक्शन फिल्म 'धुरंधर' की मुख्य अभिनेत्री सारा अर्जुन ने आज सोशल मीडिया पर एक खास पोस्ट शेयर किया है। जो उनके सबसे खास धुरंधरों के बारे में है।

सारा अर्जुन अपनी फिल्म 'धुरंधर' की जबरदस्त सफलता का आनंद ले रही हैं। फिल्म में सारा ने यालिना जमाली का किरदार निभाया है। 'धुरंधर' बॉक्स ऑफिस पर 759 करोड़ रुपये से ज्यादा का कलेक्शन कर चुकी है। फिल्म की सफलता के बीच सारा ने अपने सबसे खास धुरंधरों के बारे में एक पोस्ट शेयर कर उनका शुक्रिया अदा किया है।

### ● कौन हैं सारा के असली 'धुरंधर'?

सारा अर्जुन ने इंस्टाग्राम पर अपनी कई ब्लैक एंड व्हाइट तस्वीरें शेयर कीं और साथ ही एक खास नोट लिखा। 'धुरंधर' की शानदार सफलता के बीच, सारा ने इंस्टाग्राम पर एक भावपूर्ण नोट लिखकर दर्शकों को अपार प्यार और समर्थन के लिए धन्यवाद दिया। सारा ने लिखा, 'मेरे सबसे बड़े धुरंधर– दर्शक।'

### ● सारा ने की दर्शकों की तारीफ

सारा ने आगे लिखा, 'लंबे समय से लोग कहते रहे हैं कि अब दर्शकों के पास लंबी कहानियों को देखने का धैर्य नहीं बचा है। उनका ध्यान जल्दी भटक जाता है और सिनेमा की जगह कम हो गई है। लेकिन आप सबने यह बात गलत साबित कर दिया कि जब लोग किसी चीज पर सच में विश्वास करते हैं, तो दर्शकों की ताकत कितनी बड़ी होती है।'

### ● दर्शकों को दिया 'धुरंधर' की सफलता का श्रेय

सारा ने आगे लिखा, ''धुरंधर' की यह सफलता पूरी तरह आपकी वजह से है। आपका हर प्यार, आपका हर सपोर्ट इस फिल्म को आगे बढ़ाने में मददगार रहा। इसके लिए मैं जितना भी शुक्रिया कहूं, कम है। हम कलाकार और फिल्म बनाने वाले प्रक्रिया के हर हिस्से को नियंत्रित कर सकते हैं, लेकिन दर्शकों पर हमारा कोई कंट्रोल नहीं होता। और यही चीज सबसे खूबसूरत है। जब ऐसा जुड़ाव होता है, तो यह बहुत संतोष देने वाला अनुभव होता है।'

### ● दर्शकों का किया शुक्रिया

सारा ने आगे लिखा, 'मुझे जो स्नेह, हौसला और अच्छाई मिली है, उससे मैं बहुत कृतज्ञ हूं। मैं भगवान के सामने और आप सबके सामने सिर झुकाकर दिल से शुक्रिया कहती हूं। मैंने अभी–अभी अपनी शुरुआत की है। जिस फिल्म में मैं काम कर रही हूं और जिस तरह का काम करने की कोशिश कर रही हूं, उसके लिए इतनी जल्दी इतना प्यार मिलना मेरे लिए बहुत बड़ा है। इससे मुझे बहुत ताकत मिलती है।'

### ● सारा 'धुरंधर' का हिस्सा बनकर खुश हैं

सारा ने आगे लिखा, आखिर में, अभिनय एक कला है। हम जो करते हैं, वह इसलिए करते हैं ताकि कोई इसे महसूस कर सके। यह देखकर कि आपने इसे सच में महसूस किया और कहानी आप तक पहुंची, यह एक बड़ी जीत है। इसका श्रेय मैं खुद नहीं लेती, बल्कि फिल्म बनाने वालों को जाता है। मैं तो बस खुश हूं कि इसका हिस्सा बन सकी और इससे भी ज्यादा खुश हूं कि आपने इस जीत को अपना बना लिया।'

### ● सारा ने पूरी 'धुरंधर' टीम की ओर से किया धन्यवाद

सारा ने आगे लिखा, 'नए साल में कदम रखते हुए, मैं आप सभी को अच्छी सेहत, प्यार, तरक्की, शांति और खुशहाली की शुभकामनाएं देती हूं। मुझे देखने, सपोर्ट करने और प्यार देने के लिए शुक्रिया। मैं टीम में सबसे छोटी हूं, लेकिन सबकी तरफ से आपको शुक्रिया कहने का साहस कर रही हूं।'

## तारा सुतारिया और वीर पहाड़िया का हुआ बेकअप

तारा सुतारिया और वीर पहाड़िया ने कुछ वक्त पहले ही अपने रिश्ते को पब्लिक किया था। लेकिन अब इनके ब्रेकअप की खबरें, अटकलें सामने आ रही हैं।

तारा सुतारिया और वीर पहाड़िया को अक्सर पार्टी, इवेंट्स में खूब साथ देखा गया। इन्होंने खुलकर अपने इश्क का इजहार किया। कुछ वक्त पहले न्यू ईयर वेकेशन मनाने भी दोनों साथ गए। लेकिन अब इनके ब्रेकअप की खबर सामने आ रही हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार दोनों की राहें अब जुदा हो चुकी हैं। सोशल मीडिया पर चर्चा है कि इस ब्रेकअप की वजह सिंगर एपी ढिल्लों के कॉन्सर्ट में हुई घटना बनी है।

**तारा और वीर ने नहीं किया खबर का खंडन**

फिल्मफेयर की एक रिपोर्ट के अनुसार वीर पहाड़िया और तारा सुतारिया ने ब्रेकअप कर लिया है। इस बात की पुष्टि उनसे जुड़े करीबी सूत्रों ने की है। जबकि वीर पहाड़िया और तारा सुतारिया की तरफ से अभी इस बात की पुष्टि नहीं हुई। ऐसे में ब्रेकअप क्यों हुआ, इस बात को लेकर अभी स्थिति साफ नहीं है। लेकिन सोशल मीडिया यूजर्स इस ब्रेकअप की असल वजह सिंगर एपी ढिल्लों के कॉन्सर्ट को मान रहे हैं।

**एपी ढिल्लों के कॉन्सर्ट में क्या हुआ था?**

कुछ दिन पहले सिंगर एपी ढिल्लों के कॉन्सर्ट में तारा सुतारिया पहुंची थीं, उनके बॉयफ्रेंड वीर पहाड़िया भी साथ थे। कॉन्सर्ट के दौरान एपी ढिल्लों ने तारा सुतारिया को मंच पर बुलाया। इस दौरान दोनों के बीच की बॉन्डिंग ने सभी को हैरान कर दिया। स्टेज पर तारा, एपी ढिल्लों के साथ मंच पर थीं और सिंगर ने उन्हें किस कर लिया। इसके बाद जिस तरह से वीर पहाड़िया का रिएक्शन कैमरे में कैद हुआ, उसने हंगामा मचा दिया। गौरतलब है कि तारा और वीर ने इसी साल अगस्त में अपने रिश्ते को पब्लिक किया था। इसके बाद से दोनों अक्सर साथ नजर आते रहे हैं, दोनों के वीडियोज भी तेजी से सोशल मीडिया पर वायरल होते हैं। इंस्टाग्राम पर भी दोनों साथ में फोटो पोस्ट करते थे। लेकिन अब इनके ब्रेकअप की खबरें सामने आ रही हैं। जिसके पीछे सोशल मीडिया यूजर्स एपी ढिल्लों के कॉन्सर्ट में हुई घटना को जिम्मेदार मान रहे हैं। वैसे तारा सुतारिया ने एपी ढिल्लों के कॉन्सर्ट में हुई बातों को वायरल करवाने के पीछे नेगेटिव पीआर को जिम्मेदार माना था।

**करियर फ्रंट को लेकर भी चर्चा में तारा सुतारिया**

तारा सुतारिया करियर फ्रंट को लेकर भी चर्चा में हैं। जल्द ही वह साउथ सुपरस्टार यश की फिल्म 'टॉक्सिक' में नजर आएंगी। इस फिल्म से उनका लुक भी सामने आ चुका है। 'टॉक्सिक' 19 मार्च को रिलीज होगी, इसकी टक्की सिनेमाघरों में फिल्म 'धुरंधर 2' से है।

## 'ओ रोमियो' का फर्स्ट लुक आया सामने

एंटरटेनमेंट डेस्क।शाहिद कपूर एक बार फिर खूंखार अंदाज में नजर आने वाले हैं। उनकी मच अवेटेड फिल्म 'ओ रोमियो' से उनका पहला लुक सामने आया है। जानिए किस अंदाज में दिखे शाहिद और कब रिलीज होगी फिल्म...शाहिद कपूर की मच अवेटेड फिल्म 'ओ रोमियो' का फर्स्ट लुक आज सामने आ गया है। इस पहले लुक में शाहिद काफी खूंखार अंदाज में नजर आ रहे हैं। लाल रंग के बैकग्राउंड में शाहिद का चेहरा खून से लथपथ दिख रहा है। वहीं वो जोश में चीखते दिख रहे हैं। पोस्टर को देखकर ऐसा लगता है कि शाहिद और विशाल भारद्वाज एक बार फिर 'कमीने' जैसा कुछ अलग लाने वाले हैं। इसके साथ ही मेकर्स ने ये भी साफ कर दिया है कि फिल्म की पहली झलक या टीजर कल सामने आएगा। साथ ही फिल्म की रिलीज डेट भी घोषित कर दी है।

## 'भाबी जी घर पर हैं'

**एंटरटेनमेंट डेस्क। सीरियल 'भाबी जी घर पर हैं' के फैंस के लिए खुशखबर है। अब यह सीरियल, फिल्म के रूप में बड़े आ रहा है। फिल्म 'भाबी जी घर पर हैं' का पहला पोस्टर और रिलीज डेट सामने आ चुकी है।**

**सीरियल 'भाबी जी घर पर हैं' टीवी पर कई साल से दर्शकों का मनोरंजन कर रहा है। अब इस सीरियल के किरदार और कहानी को दर्शक बड़े पर्दे पर फिल्म के रूप में देखेंगे।**

**मुम्बई,एजेंसी।** लालो फिल्म 25 लाख में बनी थी,वो भी जैसे तैसे जुगाड़ किए गए थे, और फिल्म ने 100 करोड़ से ज्यादा का बिजनेस कर डाला, फिर इस गुजराती फिल्म को हिंदी में डब किया गया और अब ये हिंदी में रिलीज हुई है, जुहू, बांद्रा और बोरीवली के फिल्ममेकर्स को इस फिल्म की टीम को बुलाना चाहीए और उनसे सीखना चाहिए कि सिनेमा बनाया कैसे जाता है.

**कहानी** – एक ऑटो ड्राइवर एक सुनसान जगह पर एक घर में फंस जाता है, न खाना, न पानीज़ न निकलने का रास्ताज घर पर बीवी और बेटी परेशान, फिर वो सोचता है कि क्या भगवान होते हैं, ये फिल्म इसी सवाल का जवाब देती है और बड़े कायदे से देती है, आप भी तो ये सोचते होंगे न कि हम मुसीबत मैंने होते हैं तो भगवान आते क्यों नहीं, ये फिल्म आपके सारे सवालों के जवाब देगी.

**कैसी है फिल्म** – ये कमाल की फिल्म है, अगर सिनेमा कुछ सिखा सकता है, समझा सकता है, महसूस करा सकता है तो सिनेमा यही है, ये फिल्म 1 पल के लिए आपके कनेक्शन तोड़ती नहीं है.

यहां कोई बड़ा स्टार नहीं है, कंटेंट ही स्टार है, ये फिल्म देखकर आपको लगेगा नहीं कि 25 लाख में ऐसी फिल्म बन सकती है.

ये फिल्म बताती है कि विजन बड़ा होना चाहिए, सिनेमा की समझ और सिनेमा से प्यार होना चाहे, बाकी सब हो जाता है. ये फिल्म हर सिनेमा लवर और फिल्ममेकर को देखनी चाहिए और समझना चाहिए कि वो कहां गलती कर रहे हैं. ये फिल्म आपको इमोशनल भी करती है, हंसती भी है, रुलाती भी है और ये सब अपने आप होता है, फिल्म में ऐसा करने की जबरदस्ती कोशिश नहीं की जाती, इसी को तो सिनेमा कहते हैं.

**एक्टिंग** – रीवा रछ ने कमाल काम किया है, अपने पति से लड़ती भी हैं और उनके खो जाने पर परेशान भी होती है, ये बैलेंस उन्होंने कमाल तरीके से किया है, करण जोशी ने लालो के किरदार में जान डाल दी है।

## बांग्लादेश के भारत में विश्वकप नहीं खेलने पर बीसीसीआई ने तोड़ी चुप्पी

**स्पोर्ट्स डेस्क।** बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने भले ही टी20 विश्व कप के लिए अपनी टीम भारत भेजने से इनकार कर दिया है, लेकिन भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) इसे लेकर चिंतित नहीं है। बोर्ड के अध्यक्ष देवजीत सैकिया ने इस मामले पर चुप्पी तोड़ी। आइए जानते कि उन्होंने इस बारे में क्या कहा।

बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) टी20 विश्व कप के अपने मुकाबले भारत में नहीं खेलने की मांग पर अड़ा है और उसने इसे लेकर आईसीसी को पत्र भी लिखा है।

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) की ओर से अब तक इस बारे में कोई टिप्पणी नहीं आई थी, लेकिन अब सचिव देवजीत सैकिया ने इस मामले पर चुप्पी तोड़ी है। तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान को आईपीएल से बाहर करने के बाद से ही इस विवाद की शुरुआत हुई है।

**क्यों भारत में नहीं खेलना चाह रहा बांग्लादेश?**

टी20 विश्व कप की शुरुआत सात फरवरी से होनी है और बांग्लादेश को ग्रुप चरण के अपने चार मैच भारत में खेलने हैं।

इसमें से तीन कोलकाता में और एक मुंबई में खेला जाना है। बीसीसीआई ने हाल ही में आईपीएल फ्रेंचाइजी कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) को निर्देश दिया था कि वह बांग्लादेश के तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान को रिलीज कर दे।

इसके बाद से ही बांग्लादेश ने टी20 विश्व कप को लेकर राग अलपाना शुरू कर दिया है।

बीसीबी ने सुरक्षा को बहाना बनाया है और अपने मैच श्रीलंका में खेलने की मांग की है।

**दूसरी बार आईसीसी को लिखा पत्र**

बीसीबी ने गुरुवार को आधिकारिक तौर पर आईसीसी को दूसरी बार पत्र लिखा था। बीसीबी ने भारत में सुरक्षा पर चिंता जाहिर की और क्रिकेट की वैश्विक संस्था से टी20 विश्व कप में अपने मुकाबले श्रीलंका में कराने की मांग दोहराई। हालांकि, अब तक क्रिकेट की वैश्विक संस्था ने इस संबंध में कोई फैसला नहीं लिया है।

**बीसीसीआई ने नहीं दिया तूल**

बांग्लादेश ने भले ही टी20 विश्व कप में उसके मैच भारत से बाहर कराने का आईसीसी से अनुरोध किया है, लेकिन बीसीसीआई ने इस मामले को ज्यादा तूल नहीं दिया है। बीसीसीआई के पदाधिकारियों ने मुंबई में शुक्रवार को बैठक की।

इस दौरान सीओई के कामकाज की समीक्षा हुई। बैठक के बाद सैकिया ने इसकी जानकारी दी। इस दौरान उन्होंने बताया कि बैठक में बांग्लादेश के भारत में नहीं खेलने की मांग को लेकर कोई बात नहीं हुई। उन्होंने कहा, यह बैठक सीओई और अन्य क्रिकेट मसलों पर थी। उस मुद्दे पर बात करना हमारे अधिकार क्षेत्र में नहीं है चूंकि टी20 विश्व कप में बांग्लादेश की भागीदारी पर अंतिम फैसला आईसीसी को लेना है।

**जानें मुस्तफिजुर को क्यों किया गया था बाहर**

आईपीएल की तीन बार की चैंपियन कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने पिछले महीने मिनी नीलामी में मुस्तफिजुर को 9.20 करोड़ रुपये में खरीदा था।

लेकिन बीसीसीआई के निर्देश पर केकेआर ने इस बांग्लादेशी गेंदबाज को टीम से बाहर कर दिया।

मुस्तफिजुर को टीम में लेने पर भारत में विरोध हो रहा था और कई राजनेताओं तथा कथावाचक ने इसे लेकर केकेआर के मालिका शाहरुख खान को घेरा था। मुस्तफिजुर को बाहर करने के बाद बांग्लादेश बौखला गया। इसके बाद से ही बीसीबी ने भारत के खिलाफ रवैया अपनाना शुरू किया।

टी20 विश्व कप के लिए टीम भेजने से इनकार करने के बाद बांग्लादेश ने देश में आईपीएल के प्रसारण पर भी रोक लगा दी थी।

# 6,4,6,4...आखिरी चार गेंदों पर पलटा मैच

## डीक्लार्क ने उड़ाईं मुंबई की धज्जियां, आरसीबी की पहली जीत

**स्पोर्ट्स डेस्क।** महिला प्रीमियर लीग के चौथे संस्करण का आगाज रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने जीत के साथ किया। नवी मुंबई के डीवाई पाटिल स्टेडियम पर खेले गए मुकाबले में आरसीबी ने नादिन डी क्लार्क की नाबाद 63 रनों की पारी के दम पर टीम को तीन विकेट से जीत दिला दी।

महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) के चौथे संस्करण का आगाज बेहद रोमांचक अंदाज में हुआ। शुक्रवार को नवी मुंबई के डीवाई पाटिल स्टेडियम में खेले गए उद्घाटन मुकाबले में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने गत विजेता मुंबई इंडियंस (एमआई) को तीन विकेट से हराकर अपने अभियान की शानदार शुरुआत की। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी मुंबई इंडियंस ने सजीवन सजना और निकोला कैरी के बीच हुई 82 रनों की अहम साझेदारी के दम पर 20 ओवर में 6 विकेट खोकर 154 रन बनाए। जवाब में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने नादिन डी क्लार्क की 63 रनों की नाबाद और मैच जिताऊ पारी के सहारे सात विकेट पर 157 रन बनाते हुए मुकाबला अपने नाम कर लिया।

**नादिन डी क्लार्क ने आखिरी चार गेंदों में पलटा मैच, आरसीबी का जीत से आगाज**

155 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की शुरुआत तेज रही, लेकिन मुंबई इंडियंस के गेंदबाजों ने समय–समय पर विकेट निकालकर मुकाबले को रोचक बनाए रखा। हालांकि, अंत में नादिन डी क्लार्क की शानदार नाबाद पारी ने आरसीबी को जीत तक पहुंचा दिया। आरसीबी को पहला झटका 4.6 ओवर में लगा, जब ग्रेस हैरिस (25 रन) को नेट शीवर–ब्रंट ने अपना शिकार बनाया। इसके बाद कप्तान स्मृति मंधाना (18 रन) 3.5 ओवर में शबनिम इस्माइल की गेंद पर आउट हुईं। पावरप्ले में दो विकेट गिरने से आरसीबी पर दबाव बना। तीसरा विकेट सातवें ओवर में गिरा, जब दयालन हेमलता (7 रन) को अमनजोत कौर ने एलबीडब्ल्यू आउट किया। इसके बाद राधा यादव (1 रन) भी 7.1 ओवर में अमेलिया केर की गेंद पर पवेलियन लौट गईं। आठ ओवर से पहले चार विकेट गिरने के बाद आरसीबी मुश्किल में दिख रही थी।

इसके बाद विकेटकीपर ऋचा घोष (6 रन) ने पारी संभालने की कोशिश की, लेकिन वह भी 7.4 ओवर में निकोला कैरी की गेंद पर आउट हो गईं। 65 रन पर पांच विकेट गिरने के बाद आरसीबी की हार लगभग तय मानी जा रही थी। मिडिल ऑर्डर में अरुंधति रेड्डी (20 रन) ने नादिन डी क्लार्क का अच्छा साथ दिया, लेकिन वह 16.1 ओवर में निकोला कैरी की गेंद पर आउट हो गईं। इसके बाद श्रेयंका पाटिल (1 रन) भी 17वें ओवर में कैरी का दूसरा शिकार बनीं। एक छोर पर नादिन डी क्लार्क डटी रहीं। उन्होंने 44 गेंदों पर 63 रनों की नाबाद पारी खेली। इस पारी में क्लार्क सात चौके और दो छक्के लगाए। अंतिम ओवर में 18 रनों की जरूरत थी, जहां डी क्लार्क ने नेट सिवर–ब्रंट की गेंदों पर दो चौके और दो छक्के जड़कर मुकाबला आरसीबी के नाम कर दिया।

**आखिरी ओवर का रोमांच**

जीत के लिए आरसीबी को आखिरी ओवर में 18 रनों की जरूरत थी
बल्लेबाजः नादिन डी क्लार्क
गेंदबाजः नेट शीवर–ब्रंट
ओवर की गेंद–दर–गेंद कहानी
पहली गेंदः डॉट बॉल
दूसरी गेंदः डॉट बॉल
तीसरी गेंदः छक्का
चौथी गेंदः चौका
पांचवीं गेंदः छक्का
छठी गेंदः चौका

## मस्ती के मूड में नजर आए विराट कोहली, देखें अभ्यास सत्र के दौरान किस तरह अर्शदीप की नकल की

**स्पोर्ट्स डेस्क।** भारतीय टीम न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज के लिए तैयार है। इसके लिए विराट कोहली और रोहित शर्मा जैसे खिलाड़ियों ने भी कमर कस ली है। कोहली फॉर्म में चल रहे हैं। वहीं, अभ्यास सत्र के दौरान उनका एक वीडियो वायरल हो रहा है जिसमें वह अर्शदीप सिंह की नकल उड़ाते दिख रहे हैं। भारतीय टीम के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज की तैयारियों में जुट गए हैं। दोनों टीमों के बीच रविवार को तीन मैचों की सीरीज का पहला मुकाबला खेला जाएगा। वडोदरा में भारतीय टीम ने अभ्यास सत्र में हिस्सा लिया और इस दौरान कोहली मस्ती के मूड में नजर आए। कोहली ने टीम के साथी खिलाड़ियों के साथ जमकर मस्ती की और तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह की कॉपी करके उनका मजाक उड़ाया।

**नेट्स पर बहाया पसीना**

विराट कोहली और रोहित शर्मा ने लगभग डेढ़ घंटे तक भारतीय तेज गेंदबाजों, स्पिनरों और थ्रोडाउन विशेषज्ञों के खिलाफ बल्लेबाजी अभ्यास किया। विजय हजारे में 77 और 131 रनों की पारियां खेलने वाले कोहली ने स्पिनरों और तेज गेंदबाजों के खिलाफ आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी की। हालांकि, एक नेट में थ्रोडाउन विशेषज्ञों की ओर से मिल रही असमान उछाल ने उन्हें कुछ हद तक चुनौती भी दी।

**अर्शदीप के रन–अप को किया कॉपी**

कोहली की सहजता का सबसे अच्छा उदाहरण नेट सेशन के दौरान देखने को मिला जब कोहली कुछ पल के लिए मनोरंजक बन गए। बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह को गेंदबाजी करने के लिए दौड़ते हुए देखकर, कोहली ने मजाक में उनकी खास रन–अप की नकल की, कदमों और चाल को बढ़ा–चढ़ाकर दिखाया जिससे वहां मौजूद सभी लोग अपनी हंसी नहीं रोक पाए। वहीं, अभ्यास सत्र में मौजूद रोहित शर्मा ने भी इस पल का आनंद लिया।

**दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ किया था दमदार प्रदर्शन**

कोहली पिछले कुछ समय से अच्छी फॉर्म में हैं। उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ वनडे सीरीज में दमदार प्रदर्शन किया था। अब वह न्यूजीलैंड के खिलाफ भी दम दिखाने को तैयार हैं। कोहली ने हाल ही में विजय हजारे ट्रॉफी में हिस्सा लिया था और दिल्ली के लिए दो मैच खेले थे। वहीं, भारतीय टीम के कप्तान शुभमन गिल ने भी नेट्स में समय बिताया। गिल दिसंबर के अंत में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ आखिरी दो टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले पैर की अंगुली में चोट के कारण नहीं खेल पाए थे।

दी नेक्स्ट पोस्ट

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक बृजेन्द्र कुमार द्वारा फाइन ऑफसेट प्रिन्टर्स मदरसा हुसैनिया बिल्डिंग बक्सीपुर गोरखपुर से मुद्रित एवं 665 बी गंगा टोला, निकट जानकी बिल्डिंग मैटेरियल बसारतपुर पश्चिमी, गोरखपुर से प्रकाशित। पिनः– 273003

UPHIN/2023/90814

बृजेन्द्र कुमार
मो0. नं0. 7307180148,9170772370
Email- thenextpost01@gmail.com

नोटः– समाचार पत्र से सम्बन्धित सभी वाद-विवाद गोरखपुर जिला न्यायालय के अन्तर्गत मान्य होगे।